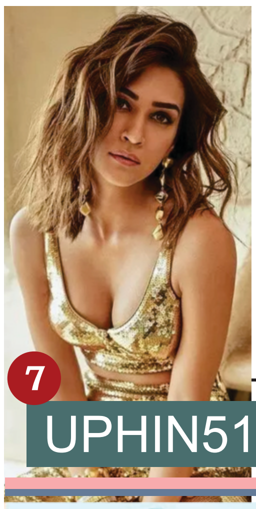

7

UPHIN51019

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, 'यह भोगियों और योगियों का चुनाव है', मतदान के समय याद रखें

5 अभी कमजोर नहीं हुआ कांग्रेस का किला

8 'इसका अलग चल रहा है'

वर्ष: 01, अंक: 43 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 20 मई, 2024

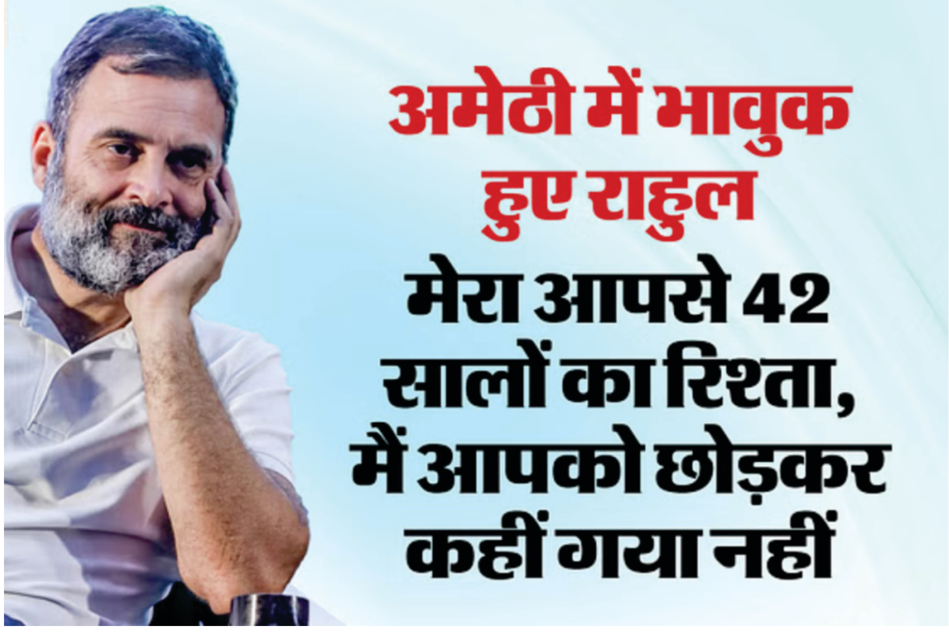

लखनऊ । राहुल गांधी ने अमेठी के लोगों के साथ इमोशनल रिश्ते की बात कही। अखिलेश यादव के साथ अमेठी में हुई जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने और अमेठी के बीच 42 साल पुराने रिश्ते की बात कही। अमेठी सीट से 2019 का चुनाव हारने के बाद बाद पहली बार राहुल गांधी ने अमेठी के लोगों से अपने रिश्तों पर बात की। अमेठी में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं 12 साल का था तब से यहां आ रहा हूं। मैंने अमेठी का वह समय देखा जब यहां बंजर खेत होते थे। टूटी हुई सड़कें होती थीं। मैंने अपनी आंखों से अमेठी को बदलते हुए देखा है। मैं अपने पिता के साथ यहां आता था। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि राजनीति में मैंने जो कुछ भी सीखा वह

राहुल गांधी: अमेठी से मेरा 42 सालों का रिश्ता, मैं कही नहीं गया, मैं जितना रायबरेली का उतना अमेठी का भी

अमेठी से ही सीखा है।

भावुक लहजे में राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा नहीं है कि मैंने अमेठी को छोड़ दिया है। मैं अमेठी का था, अमेठी का हूं और अमेठी का रहूंगा। यह रिश्ता एक दो सालों का नहीं है। हमेशा का है। कल को मैं रायबरेली का सांसद हो जाउंगा। लेकिन एक बात याद रखिएगा कि मैं जितना रायबरेली का हूंगा उतना ही अमेठी का हूंगा। रायबरेली में जो भी विकास योजनाएं आएंगी वह सारी की सारी अमेठी में आएंगी। अमेठी में आपके सांसद केएल शर्मा जरूर होंगे लेकिन मैं भी आपका सांसद हूंगा। रायबरेली में यदि दस रुपए आते हैं तो यकीन मानिए कि अमेठी में भी दस रुपए आएंगे। यह पहला मौका था जब राहुल गांधी ने 2019 का चुनाव हारने के बाद अमेठी से अपने रिश्ते की बात कही। कुछ महीने पहले जब राहुल भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अमेठी से गुजरे थे तब उन्होंने अपने और अमेठी के रिश्ते पर एक शब्द बात नहीं की थी।

केएल शर्मा ने आपके लिए त्याग किया

राहुल गांधी ने कहा कि केएल शर्मा आपके प्रत्याशी हैं। इनको आप संसद में भेजिए। ये आपके मुद्दे उठाएंगे। केएल शर्मा में जरा भी अहंकार नहीं है। उन्होंने कि राजीव गांधी जब यहां सक्रिय हुई तो उन्होंने नेताओं की एक टीम बनाई। उस टीम की बहुत सारे लोग सरकार और संगठन के बड़े–बड़े पदों पर चले गए लेकिन शर्मा आपके बीच रह गए। उन्होंने चालीस साल तक आपके साथ संबंध बनाए रखा। आप इनके हाथों को मजबूत कीजिए।

राहुल को थी प्रत्याशी बनाने की मांग

इस बार के चुनाव में राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने की मांग कांग्रेसी कर रहे थे। हर कोई यह मानकर चल रहा था कि राहुल गांधी ही चुनाव लड़ेंगे। इसको लेकर धरना प्रदर्शन तक हुआ लेकिन, नामांकन के अंतिम दिन एकाएक किशोरी लाल शर्मा को प्रत्याशी बना दिया गया।

हालांकि किशोरी लाल शर्मा गांधी परिवार के करीबी हैं। वह वर्ष 1983 से गांधी परिवार से जुड़े हुए हैं। उनके चुनाव प्रचार की कमान खुद प्रियंका गांधी वाड्रा ने संभाल रखी है। यह बात अलग है कि राहुल गांधी के यहां से चुनाव न लड़ने को लेकर विपक्ष कई तरह के आरोप लगा रहा है। इन सबके बीच शुक्रवार को यहां पर सभा करने पहुंचे कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी अमेठी से अपने रिश्तों को लेकर खुलकर बोले।

कहा कि अमेठी पहली बार वह 42 साल पहले आए थे। उस वक्त वह 12 साल के बच्चे थे। पिता राजीव गांधी के साथ आया था। कहा कि जो भी राजनीति में मैंने सीखा है, वह अमेठी की जनता ने मुझे सिखाया है। 12 साल की उम्र में आया था, उस समय यहां पर सड़कें नहीं थी, ऊसर जमीन थी कोई विकास नहीं था। कहा कि अमेठी का मेरे पिता से जो रिश्ता था, मोहब्बत थी। वह मैंने अपने आंखों से देखा था, वही मेरी भी राजनीति है।

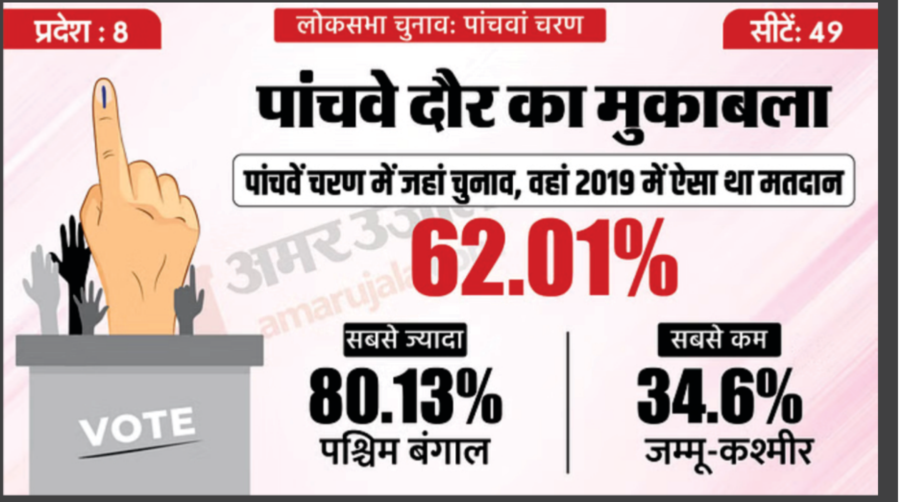

पांचवां चरण | लोकसभा चुनाव 2024 | सीटें: 49

उत्तर प्रदेश

सीट	भाजपा	सपा+	बसपा
मोहनलालगंज	कौशल किशोर	आरके चौधरी	राजेश कुमार
लखनऊ	राजनाथ सिंह	रविदास मेहरोत्रा	सरवर मलिक
रायबरेली	दिनेश प्रताप सिंह	राहुल गांधी (कांग्रेस)	ठाकुर प्रसाद यादव
अमेठी	स्मृति ईरानी	केएल शर्मा (कांग्रेस)	नन्हे सिंह चौहान
जालौन	भानु प्रताप सिंह वर्मा	नारायण दास अहिरवार	सुरेश चंद्र गौतम
झांसी	अनुराग शर्मा	प्रदीप जैन (कांग्रेस)	रवि प्रकाश
हमीरपुर	कुंवर पुष्पेंद्र सिंह	अजेंद्र सिंह राजपूत	निर्दोष कुमार दीक्षित
बांदा	आरके सिंह पटेल	कृष्णा देवी शिवशंकर	मयंक द्विवेदी
फतेहपुर	साध्वी निरंजन ज्योति	नरेश उत्तम पटेल	मनीष सचान
कौशांबी	विनोद सोनकर	पुष्पेंद्र सरोज	शुभ नारायण
बाराबंकी	राजरानी रावत	तनुज पुनिया	शिव कुमार दोहरे
फैजाबाद	लल्लू सिंह	अवधेश प्रसाद	सच्चिदानंद पांडेय
कैसरगंज	करण भूषण सिंह	भगत राम मिश्रा	नरेंद्र पांडेय
गोंडा	कीर्ति वर्धन सिंह	श्रेया वर्मा	सौरभ कुमार मिश्रा

बिहार

सीट	भाजपा+	राजद+
मुजफ्फरपुर	राज भूषण चौधरी	अजय निषाद (कांग्रेस)
सीतामढ़ी	देवेश चंद्र ठाकुर (जदयू)	अर्जुन राय
मधुबनी	अशोक कुमार यादव	मो. अली अशरफ फातमी
सारण	राजीव प्रताप रुडी	रोहिणी आचार्य
हाजीपुर	चिराग पासवान (लोजपा (आर))	शिवचंद्र राम

डीडीयू में इसी सत्र से शुरू हो जाएगी फार्मेसी की पढ़ाई,नहीं जाना होगा घर– शहर से दूर

गोरखपुर। विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी की स्थापना फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत होनी है। इसके सुचारू संचालन के लिए रसायन शास्त्र विभाग के प्रो. सोम शंकर को निदेशक नियुक्त किया गया है। फार्मेसी से जुड़े प्रस्ताव को आगामी 24 मई को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में भी रखा जाएगा।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024–25 से ही फार्मेसी की भी पढ़ाई होगी। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। विश्वविद्यालय ने सीटों की संख्या को तय कर लिया है। डी फार्मा और बी–फार्मा में 60–60 सीटें होंगी। जल्द ही विद्या परिषद की बैठक में इसे स्वीकृति के लिए रखा जाएगा। साथ ही जल्द ही पीसीआई (फार्मेसी काउंसिल

ऑफ इंडिया) की टीम निरीक्षण के लिए आ सकती है। विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में होगा। वहां से पूर्वांचल विकास बोर्ड के दफ्तर को हटाकर जीरो वेस्ट सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है।

अब यह बिल्डिंग पूरी तरह खाली हो गई है। फार्मेसी की बिल्डिंग में इंक्यूबेशन सेंटर के लिए भी जगह दी जाएगी। फार्मेसी की जरूरत के अनुसार लैब और क्लास रूम का काम शुरू हो गया है। जल्द ही फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम इसका निरीक्षण कर सकती है। उससे हरी झंडी मिलने के बाद विश्वविद्यालय इसके लिए प्रवेश शुरू कर देगा।

बी और डी–फार्मा में 60 सीटें

इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के अंतर्गत बैचलर इन फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। दोनों पाठ्यक्रमों में 60–60 सीटें होंगी। पहले साल पढ़ाई के लिए छह लैब तैयार किए जा रहे हैं। इसके बाद इसे बढ़ाकर 12 कर दिया जाएगा। लैब के लिए जरूरी उपकरणों की खरीद शुरू हो गई है। इसके साथ ही पाठ्यक्रम से संबंधित किताबों की खरीदारी की भी शुरुआत हो गई है। बता दें कि फार्मेसी के संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने एक करोड़ रुपये का बजट आवंटित कर दिया था।

प्रो. सोम शंकर बने निदेशक

विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी की स्थापना फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत होनी है। इसके सुचारू संचालन के लिए रसायन शास्त्र विभाग के प्रो. सोम शंकर को निदेशक नियुक्त किया गया है। फार्मेसी से जुड़े प्रस्ताव को आगामी 24 मई को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में भी रखा जाएगा।

अगले सत्र तक तैयार हो जाएगी एक और मंजिल

फार्मेसी की शुरुआत में दो बैच ही होंगे, ऐसे में इनकी कक्षाएं इस भवन में संचालित हो जाएंगी। लेकिन अगले सत्र से दो बैच और बढ़ने के बाद इसमें समस्या आ सकती है। इसके लिए विश्वविद्यालय, पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में एक और मंजिल बनाने जा रहा है। अगले साल तक यह तैयार हो जाएगी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय में इसी सत्र से फार्मेसी की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इसको लेकर तैयारियां काफी तेज हैं। बी फार्मा और डी–फार्मा के लिए सीटों का निर्धारण हो गया है। इसको जल्द ही विद्या परिषद की बैठक में रखा जाएगा। पीसीआई से अनुमोदन मिलने के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

सम्पादकीय

नये मुद्दों के साथ चौथे चरण का मतदान

18वीं लोकसभा के लिये सम्पन्न हो चुके तीन चरणों के मतदान के बाद अब चर्चा यह नहीं हो रही है कि क्या भारतीय जनता पार्टी ने अपने लिये 370 सीटों का और अपने गठबन्धन नेशनल डेमोक्रेटिक एलाएंस के साथ मिलकर 400 सीटें हासिल करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया था

18वीं लोकसभा के लिये सम्पन्न हो चुके तीन चरणों के मतदान के बाद अब चर्चा यह नहीं हो रही है कि क्या भारतीय जनता पार्टी ने अपने लिये 370 सीटों का और अपने गठबन्धन नेशनल डेमोक्रेटिक एलाएंस के साथ मिलकर 400 सीटें हासिल करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया था, उसे पाने की स्थिति में वह है या नहीं। अब तो यह सवाल किया जाने लगा है कि भाजपा सत्ता में वापसी करेगी या नहीं और नरेन्द्र मोदी, जो दो कार्यकालों के बहुत से अधूरे कामों को पूरा करने के लिये तीसरी मर्तबा प्रधानमंत्री बनने को आतुर हैं, अपने लक्ष्य को पाने में सफल होते हैं या नहीं। इसका कारण केवल इतना नहीं है कि पहले तीन चरणों में ही भाजपा और नरेंद्र मोदी दोनों पस्त दिख रहे हैं। तीनों चक्रों में हुआ अपेक्षाकृत कम मतदान भाजपा के लिये खतरे की घंटी बतलाई जा रही है जिसकी पुष्टि कई राजनीतिक पर्यवेक्षक, मत सर्वेक्षण एवं विश्लेषण एक स्वर में कर रहे हैं। कम मतदान किसी निश्चित परिणाम की ओर इंगित नहीं करता परन्तु कम मतदान के साथ अनेक ऐसे तथ्य गिनाए जा रहे हैं जिनके आधार पर लोग इस नतीजे पर पहुंचे हैं।

प्रतिपक्षी गठबन्धन 'इंडिया' का सतत मजबूत होना, लोगों का कांग्रेस के 'न्याय पत्र' से प्रभावित होना, युवाओं, बेरोजगारों, महिलाओं, अनुसूचित जाति–जनजातियों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आदि वर्गों का कांग्रेस से जुड़ाव, भाजपा विरोधी स्थानीय क्षत्रपों का प्रभावशाली प्रचार अभियान आदि ऐसे कारण हैं जो सत्तारुढ़ भाजपा को चरण–दर–चरण कमजोर करते चले जा रहे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड्स और ईवीएम जैसे गम्भीर मसलों के साथ चुनाव के प्रथम चरण में प्रवेश करने वाली भाजपा के सामने चौथे चक्र तक पहुंचते हुए कई नयी दिक्कतें खड़ी हो गई हैं। इन्हें लेकर लोगों का मानना है कि इनसे एक ओर तो पार्टी का सीटों के लिहाज से भारी नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ खुद श्री मोदी पहले के मुकाबले और भी कमजोर दिखाई दे रहे हैं। पहले तीन चरणों में 283 सीटों पर मतदान हुआ है जिनमें कई राज्य तो पूरे ही निपट चुके हैं, वहीं अब 260 सीटों पर मतदान होना है। इनमें से सोमवार को 10 राज्यों के 96 निर्वाचन क्षेत्रों के लिये मतदान होगा जिसके बाद तेलंगाना व कर्नाटक का चुनाव पूरा हो जायेगा। इस चरण के साथ 18 राज्यों एवं 4 केन्द्र शासित प्रदेशों की सभी सीटों के लिये मतदान पूरा हो जायेगा।

संगठन के रूप में भाजपा जिन समस्याओं के साथ अगले चरण के मतदान में प्रवेश कर रही है उनमें सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि लाख प्रयासों के बाद भी वह मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में असमर्थ दिखाई दे रही है। इसका पहला कारण तो यह है कि देश भर में, उन राज्यों व क्षेत्रों समेत जहां मतदान होगा– गर्मी कम होने के कोई चिन्ह दिखाई नहीं देते। दूसरे, भाजपा को लेकर जो बड़ी नाराज़गी है वह है कोविशील्ड सम्बन्धी खुलासा, जिसके बारे में यह बात सामने आई है कि कोरोना की इस वैक्सीन का जो फार्मूला है उसकी मालिक एस्ट्राजेनेका कंपनी ने स्वीकार किया है कि इसे लगवाने वालों का खून गाढ़ा हुआ है। कई लोगों को दिल का दौरा व ब्रेन हेमरेज होने का यह कारक बना है। भारत में यह सबसे ज्यादा लोगों को लगाया गया था। यहां इसका निर्माण करने वाली सीरम इंस्टीट्यूट से भाजपा ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिये 52 करोड़ रुपये लिये हैं। इसे मोदी से व्यक्तिगत रूप से भी इस लिहाज से जोड़ा जा रहा है कि उन्होंने न केवल लोगों को यह टीका लेने के लिये प्रेरित किया बल्कि उसे लेने वालों को जो सर्टिफिकेट दिया जाता है उन पर अपनी फोटो भी छपवाई थी जो मामले का खुलासा होने के बाद हटा दी गई।

इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पौत्र प्रज्ज्वल रेवन्ना के लिये मोदी द्वारा यह कहकर वोट मांगना, कि 'प्रज्ज्वल को मिलने वाला हर वोट उन्हें (पीएम को) मजबूत करेगा', इसलिये भारी पड़ गया क्योंकि हासन से जनता दल (सेक्यूलर) का सांसद व फिर से उसकी टिकट पर चुनाव लड़ रहे प्रज्ज्वल के करीब 3000 अश्लील वीडियो वायरल हो गये जिनमें वह महिलाओं के साथ दुष्कर्म में कथित तौर पर संलिप्त है। आस्ट्रेलिया के प्रमुख अखबार 'हेराल्ड सन' ने मोदी की फोटो लगाकर खबर छापी है जिसका शीर्षक है– 'इंडियन प्राइम मिनिस्टर हैज़ लिंक्स विद मास रेपिस्ट' (भारतीय प्रधानमंत्री के सामूहिक बलात्कारी के साथ सम्बन्ध हैं)। इससे मोदी को छवि के साथ सीटों का भी नुकसान होना तय है।

इसी बीच सियासत की दृष्टि से देश की सर्वाधिक महत्वपूर्ण सीटों– अमेठी और रायबरेली में गांधी परिवार का हुआ प्रवेश बड़ा फर्क पैदा करेगा। वायनाड से लोकसभा के निवर्तमान सांसद तथा वहीं से फिर चुनाव लड़ रहे राहुल गांधी ने उनकी मां सोनिया गांधी की छोड़ी हुई सीट रायबरेली से नामांकन भर दिया है। दूसरी तरफ अमेठी में, जहां राहुल को अपने खिलाफ मैदान में उतरने के लिये ललकारती केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की रणनीति को मात देते हुए इसी परिवार के बहुत नज़दीकी किशोरी लाल शर्मा को कांग्रेस ने उतारकर बड़ी मनोवैज्ञानिक बढ़त बना ली है। इसका असर न केवल इन दो सीटों पर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में जोरदार पड़ेगा। देश की राजनीति में इन दो सीटों के साथ उप्र का महत्व किसी को बतलाये जाने की ज़रूरत नहीं है। चौथे चरण के पहले शराब कांड में ईडी की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजे गये दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 21 दिनों की जमानत मिली है। वे अब मोदी व भाजपा के खिलाफ जबर अभियान चलाये हुए हैं। ये सारे हालात भाजपा के लिए चुनावी समीकरण उलझा चुके हैं और चौथे दौर में भाजपा के लिए मुश्किल बन गए हैं।

हरियाणा की राजनीति में बड़ा बदलाव लोकसभा और विधानसभा चुनावों पर असर

पांच साल बाद 2024 में, पीएम मोदी को लगा कि भाजपा अपनी लोकसभा सीटों को अपने सहयोगी जेजेपी के साथ साझा नहीं कर सकती है, और इसलिए जेजेपी को गठबंधन छोड़ने के लिए मजबूर करने के लिए अपमानित किया गया। मार्च में गठबंधन टूट गया। भाजपा नेतृत्व ने सोचा कि जेजेपी के अलग से चुनाव मैदान में होने पर भाजपा, इंडिया ब्लॉक और जेजेपी के बीच मुकाबला त्रिकोणीय हो जायेगा। 24 मई को छठे चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए 9 मई को नामांकन वापस लेने से पहले हरियाणा की राजनीति में काफी बदलाव आया। चुनाव की पूर्व संध्या पर भाजपा के मुख्यमंत्री के बदले जाने की पृष्ठभूमि में चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। 12 मार्च को एनडीए में फूट पड़ गई, जिससे सहयोगी दल भाजपा और जेजेपी अलग हो गये, और दो महीने से भी कम समय में राज्य में नायब सिंह सैनी सरकार अल्पमत में आ गई, जब 7 मई को तीन निर्दलीय विधायकों ने अपना समर्थन वापस ले लिया। यह निश्चित रूप से भाजपा के लिए अशुभ है, क्योंकि पार्टी का लक्ष्य राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें जीतना है, जो उसने 2019 के लोकसभा चुनाव में जीती थी। प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता चाह रहे हैं इसलिए वह किसी भी सीट का नुकसान बर्दाश्त नहीं कर सकते। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, जिनकी जगह दूसरे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आये, करनाल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। सैनी सरकार से समर्थन वापस लेने वाले तीनों विधायकों ने अब कांग्रेस को समर्थन दे दिया है। उन्होंने पहले तो कहा कि खट्टर उनके नेता हैं, लेकिन जब वह सत्ता की कुर्सी पर नहीं हैं, तो उनका सैनी से कोई लेना–देना नहीं है। इससे संकेत मिलता है कि भाजपा के भीतर दो खेमों–खट्टर और सैनी के बीच दरार थी, हालांकि, बाद में निर्दलीय विधायकों ने भी अपने चुनाव अभियानों में अपमानित होने के लिए खट्टर पर हमला किया। यह एक नया विकास है, जो दर्शाता है कि राज्य में खट्टर भी अपना व्यक्तिगत समर्थन आधार खो रहे हैं।

यह स्पष्ट था जब खट्टर अपना नामांकन दाखिल कर रहे थे और अपना रोड शो कर रहे थे, जहां बहुत अधिक उत्साही लोग नहीं दिख रहे थे – न तो सड़क पर, न ही सड़क के किनारे दर्शक या घरों की छतों पर दर्शक। सब कुछ सामान्य ही लग रहा था और लोगों में चुनाव को लेकर कोई उत्साह नहीं दिख रहा था। इसे मीडिया में व्यापक रूप से रिपोर्ट किया गया है। 2014 में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा खट्टर को हरियाणा के राजनीतिक परिदृश्य में लाकर उन्हें राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया था। मोदी का विचार सिर्फ राज्य की राजनीति में जाटों के वर्चस्व को तोड़ना था। राज्य की राजनीति में कोई महत्वपूर्ण जाट नेता न होने के कारण मोदी अपने उद्देश्य में सफल रहे। हालांकि, 2019 के राज्य चुनाव में, दुष्यंत चौटाला की जेजेपी जाट समर्थन आधार के साथ उभरी। यह भाजपा नेतृत्व के लिए एक झटका था, क्योंकि पार्टी ने कुछ महीने पहले ही राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें जीती थीं। भाजपा की इतनी राजनीतिक किस्मत का गिरना अप्रत्याशित था और पार्टी को मुख्यमंत्री खट्टर के नेतृत्व में राज्य सरकार बनाने के लिए जेजेपी के साथ गठबंधन करना पड़ा।

पांच साल बाद 2024 में, पीएम मोदी को लगा कि भाजपा अपनी लोकसभा सीटों को अपने सहयोगी जेजेपी के साथ साझा नहीं कर सकती है, और इसलिए जेजेपी को गठबंधन छोड़ने के लिए मजबूर करने के लिए अपमानित किया गया। मार्च में गठबंधन टूट गया। भाजपा नेतृत्व ने सोचा कि जेजेपी के अलग से चुनाव मैदान में होने पर भाजपा, इंडिया ब्लॉक और जेजेपी के बीच मुकाबला त्रिकोणीय हो जायेगा, जिससे उनकी जीती हुई 10सीटों को बरकरार रखने की संभावना उज्ज्वल हो जायेगी। हालांकि, यह राज्य में उभर रही एक जटिल राजनीतिक स्थिति का एक बहुत ही सरल दृष्टिकोण था।

भाजपा नेतृत्व इस बात से अच्छी तरह वाकिफ था कि राज्य में पंजाबी समुदाय मनोहर लाल खट्टर से खुश नहीं है, जो खुद एक पंजाबी हैं। उन्होंने राज्य में ओबीसी समुदाय को भी नाराज कर दिया था। ओबीसी राजनीति की खोज में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खट्टर की जगह ओबीसी राजनेता सैनी को ले लिया है। हालांकि, ऐसा लगता है कि यह उल्टा हो गया है। पंजाबी और ओबीसी दोनों अब भाजपा नेतृत्व से इतने खुश नहीं हैं, क्योंकि दोनों समुदायों के कई लोग अपमानित महसूस कर रहे हैं और अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए तैयार हैं।

समर्थन वापस लेने वाले तीन निर्दलीय विधायकों ने बताया है कि उन्होंने किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों और युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी के अलावा अपने आत्मसम्मान के लिए ऐसा किया है। जहां तक जेजेपी का सवाल है, उसने राज्य की अल्पमत भाजपा सरकार को गिराने के लिए प्रस्ताव लाने पर कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा की है।

90सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में भजपा के पास केवल 40 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 30 और जेजेपी के पास 10 विधायक हैं। दो सीटें खाली हैं, क्योंकि खट्टर ने करनाल से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था, और रणजीत सिंह चौटाला ने रानिया से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में इस्तीफा दे दिया है। रणजीत हिसार लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के रूप में भी चुनाव लड़ रहे हैं। इस प्रकार विधानसभा में प्रभावी सदस्य संख्या केवल 88 है। भाजपा के पास केवल 3 विधायकों का समर्थन है और इसलिए सरकार अल्पमत में आ गई है। देखना यह है कि राज्य में भाजपा की अल्पमत सरकार रहते हुए लोकसभा चुनाव कराया जाता है या नयी सरकार बनती है।

इसके विपरीत कांग्रेस और आप ने लोकसभा चुनाव के लिए राज्य में हाथ मिलाया है। आप कुरूक्षेत्र से चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस बाकी 9 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। जेजेपी और कांग्रेस ने अल्पमत भाजपा सरकार को हटाने के लिए राज्यपाल सेमांग की है और अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस के पुनरुत्थान के साथ, इंडिया ब्लॉक भाजपा को चुनौती देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फरवरी 2024 के हालिया किसान आंदोलन और खट्टर सरकार द्वारा उसके क्रूर दमन ने पूरे किसान समुदाय को नाराज कर दिया है। उनका विरोध इतना था कि किसान आंदोलन शुरू होने के एक महीने के भीतर ही पीएम मोदी को खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाना पड़ा। हालांकि पूर्व सीएम खट्टर ने विश्वास जताया है कि 2024 के चुनावों में भाजपा फिर से सभी 10 लोकसभा सीटें जीतेगी, विश्लेषकों का मानना है कि उन्हें खुद करनाल में कड़ी लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है, अपनी सीट बरकरार रखना भी बहुत मुश्किल है।

ध्यान रहे कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 58.21 फीसदी वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को 28.51 फीसदी वोट मिले थे। हालांकि, कुछ ही महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और जेजेपी के साथ त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा सिर्फ 36.49 फीसदी वोट ही हासिल कर पायी। कांग्रेस को 28.08 फीसदी और जेजेपी को 14.80 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा जाहिर तौर पर अपनी सीटें बरकरार रखने में बहुत मुश्किल स्थिति में है, खासकर तब जब उसके साथ कोई सहयोगी नहीं है, पार्टी गुटबाजी में बंटी हुई है और उसका समर्थन आधार अब बिखरता नजर आ रहा है। इस बार भाजपा के लिए अपनी खोई जमीन वापस पाना आसान नहीं होगा।

केजरीवाल मोदी पर मोदी की तरह ही हमला कर रहे हैं

जनता भी नहीं कर रही है। जनता का भी अब जो मूड सामने आ चुका है वह यही है कि सबसे पहले उसे बेरोजगार करने वाले को हटाना है

जनता भी नहीं कर रही है। जनता का भी अब जो मूड सामने आ चुका है वह यही है कि सबसे पहले उसे बेरोजगार करने वाले को हटाना है। बेरोजगारी आज सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। और मोदी का इस पर एक शब्द भी नहीं बोलना जनता की इस आशंका को सही साबित कर रहा है कि मोदी जी के लिए यह कोई मुद्दा ही नहीं है। लगता है जो वह बड़ी–बड़ी बातें करते हैं जिसे अब जनता भी फेंकना कहने लगी है उस पर वे खुद भी यकीन करने लगे हैं। अरविन्द केजरीवाल का बाहर आना मोदी जी के लिए मुसीबत बन गया। उनका प्रचार कि मैं जो चाहे कर सकता हूं, पांच सौ साल में मुझसे ताकतवर आदमी कोई नहीं हुआ कि हवा निकल गई। मोदी जी, भाजपा, भक्त और उनके मीडिया को यकीन ही नहीं था कि जिस केजरीवाल पर मोदी जी की आंख टेढ़ी है उसे जमानत भी मिल सकती है। सारा प्रचार तो यही था कि जिस पर मोदी जी ने हाथ डाल दिया वह खत्म। इसी डर से कांग्रेस के नेता भाजपा में शामिल हो रहे थे। ऐसा भय का माहौल बना दिया था कि किसी के भी खिलाफ कुछ भी हो सकता है।

आज वह माहौल टूट गया। झूठी ताकत की पूरी कहानी ध्वस्त हो गई। इसलिए आज भाजपा को सफाइयां देने पड़ रही हैं कि मोदी जी ही प्रधानमंत्री रहेंगे। 2029 तक भी और उसके बाद भी। केजरीवाल से लोगों की चाहे जितनी शिकायतें हों, खासतौर से उनका किसी एक स्टैंड पर नहीं टिकने को लेकर मगर यह सही है कि मोदी को मोदी की ही शैली में जवाब वे ही दे सकते हैं। राहुल की शराफत, उनका आदर्शवाद, सिद्धांत उन्हें दूसरों के बारे में कुछ भी कहने नहीं देता। पिछले दस साल में मोदी जी ने इतने आरोप लगाए, खराब भाषा बोली, जो मुंह में आया बोला मगर राहुल ने मर्यादा बनाए रखी। प्रियंका जरूर कुछ तीखे शब्द बाण चला रही हैं। उनके भाषण हिट भी बहुत हो रहे हैं। मगर मर्यादा उन्होंने भी बना रखी है।

लेकिन केजरीवाल मोदी जी की तरह ही राजनीति करते हैं। जिनमें साधन नहीं साध्य ही प्रमुख होता है। इसलिए इंडिया गठबंधन में वे सबसे आखिरी में आए और गठबंधन खासतौर से कांग्रेस ने भी उन्हें बहुत सोच–समझ कर यस कहा। दरअसल केजरीवाल और कांग्रेस दोनों यह समझ गए थे कि फर्स्ट थिंग फर्स्ट! पहले मोदी को हटाना जरूरी है। बाद की बाद में देखेंगे।

और इसलिए जमानत पर बाहर आते ही केजरीवाल ने मोदी की तरह ही बड़ा धमाका किया कि जीत भी जाएं तो भी मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे। जिस तरह उन्होंने आडवानी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन को 75 साल की उम्र का वास्ता देकर मार्गदर्शक मंडल में भेज दिया वैसे ही अब उन्हें भी जाना पड़ेगा। अगले साल वे 75 के हो रहे हैं। यह बिल्कुल मोदी जी वाली ही शैली है। जैसे वे दूसरी पार्टियों के बारे में कहते हैं वैसी ही। कांग्रेस खतम हो जाएगी। सोनिया गांधी ऐसी, नेहरू ऐसे, राहुल ये! या आम आदमी पार्टी क्या है, केजरीवाल आतंकवादी! सब पर बोला लालू जी, तेजस्वी, अखिलेश, ममता, उद्धव ठाकरे, शरद पवार किस को छोड़ा?

मगर चौथी पास किसी ने नहीं कहा। यह केजरीवाल ही कह सकते हैं। राहुल भी कह रहे हैं कि अब मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे। मगर उनका आकलन यह है कि भाजपा एक सौ चालीस से ज्यादा ही नहीं पाएगी तो प्रधानमंत्री बनने का सवाल ही नहीं। मगर केजरीवाल मोदी की स्टाइल में ही खेलते हैं। वे यह कहकर भाजपा के अंदर हलचल मचा देते हैं कि अगर जीत भी गए तो अमित शाह बनेंगे। और सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी को हटाया जाएगा। जो केजरीवाल चाहते थे वह काम हो गया। खुद अमित शाह जिनके प्रधानमंत्री बनने की बात कही गई उन्हें सफाई देना पड़ी। राजनाथ सिंह जिनका सबसे ज्यादा अवमूल्यन किया गया उन्हें भी कहना पड़ा कि नहीं बनेंगे तो मोदी जी। राजनाथ केन्द्र की राजनीति में भाजपा के सबसे पुराने नेता हैं। सीनियर। दो बार के अध्यक्ष हैं। मगर सबसे ज्यादा डरे वे ही रहते हैं। 2014 में प्रधानमंत्री बनते ही उनके बेटे पंकज सिंह पर जिस तरह पुलिस से वसूली के आरोप लगाए गए थे। उसके बाद से पंकज सिंह का राजनीतिक भविष्य तो रुक ही गया खुद राजनाथ अपना आत्मविश्वास खो बैठे। आज की तारीख में भाजपा के सबसे दयनीय नेताओं में वे हैं। जैसे बसपा का बड़े से बड़ा नेता भी कोई अधिकार नहीं रखता मगर कहता यही है कि नहीं ऐसा नहीं है। बहन जी ने हमें पूरी छूट दे रखी है पानी की बोतल कौन सी खरीद कर पीना है यह हम खुद तय करते हैं। वैसे ही राजनाथ के पास भी तय करने के इतने ही अधिकार हैं। भले आदमी हैं मगर सबसे ज्यादा डरे हुए।

ऐसे नेताओं की लिस्ट बहुत लंबी है। सब इंतजार में बैठे हैं। केजरीवाल ने मोदी के रिटायरमेंट की घोषणा करके सबकी उम्मीदों को हरा कर दिया। भाजपा में लोग कहने लगे कि कांटा ही कांटे को निकाल सकता है। केजरीवाल को वहां भी मोदी की तरह ही लोग व्यक्तिवादी नेता मानते हैं। जो खुद को स्थापित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। कांग्रेस के कई समर्थकों को कष्ट है यह कि केजरीवाल से समझौता क्यों किया? लेकिन कांग्रेस जानती है कि यह समय छोटे विरोधी से लड़ने का नहीं। राजनीति का पुराना सिद्धांत है कि दुश्मन का दुश्मन आपका दोस्त! कांटा कांटे को निकालता है। आज भी यह सवाल है कि अगर इंडिया गठबंधन जीत जाता है तो सबसे पहले विवाद की शुरूआत कहां से होगी? हो सकता है कहीं और से हो या न हो लेकिन सबको केजरीवाल की महत्वाकांक्षा पर सबसे ज्यादा शक है

लेकिन यह समय इन सब बातों पर विचार करने का नहीं है। क्योंकि जनता भी नहीं कर रही है। जनता का भी अब जो मूड सामने आ चुका है वह यही है कि सबसे पहले उसे बेरोजगार करने वाले को हटाना है। बेरोजगारी आज सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। और मोदी का इस पर एक शब्द भी नहीं बोलना जनता की इस आशंका को सही साबित कर रहा है कि मोदी जी के लिए यह कोई मुद्दा ही नहीं है। लगता है जो वह बड़ी–बड़ी बातें करते हैं जिसे अब जनता भी फेंकना कहने लगी है उस पर वे खुद भी यकीन करने लगे हैं।

मनोविज्ञान में ऐसी चीज होती है कि आप झूठ बोल बोलकर खुद उस पर यकीन करने लगते हैं। लगता है मोदी जी को यकीन है कि उन्होंने अपने वादे जिसे अब वह गारंटी कहने लगे हैं के अनुरूप दो करोड़ रोजगार हर साल दिए हैं। और फिर भी अगर कुछ लोग बचे रह गए तो वह उनके कहे मुताबिक पकौड़े तलकर रोजगार पा रहे हैं।

इसलिए जनता भी इसमें बिल्कुल नहीं उलझ रही कि अगर इंडिया जीता तो कौन बनेगा प्रधानमंत्री? अब लोग कहते हैं कि मोदी जी ने इंडिया जीता कहकर यह तो मान लिया है कि वे नहीं जीत रहे। बाकी बहुत नेता हैं वहां और अगर मोदी जी चाहेंगे तो उनसे पूछ लेंगे! वहां बीजेपी में तो कोई उनसे पूछने वाला होगा नहीं। हार के बाद क्या होगा इसकी कल्पना भी मोदी जी के लिए भयावह होगी। खुद बीजेपी और संघ के लोग उन्हें बख्शेंगे नहीं। दस साल में पार्टी और संघ कहीं नहीं है।

मोदी सरकार, मोदी तीसरी बार, मोदी परिवार सब मोदी ही मोदी है। भाजपा और संघ का कहीं नाम नहीं है। इसलिए केजरीवाल का यह दांव कामयाब हो गया। इंडिया गठबंधन से मोदी का ध्यान हट गया। अब वे यही सोच रहे हैं कि पार्टी में कौन क्या करेगा। उनके सबसे बड़े समर्थक अमित शाह को केजरीवाल ने प्रधानमंत्री पद के सपने दिखा दिए। दूसरे बड़े नेता योगी को चेतावनी दे दी कि अगले निशाने पर आप हो। कोई भाजपा नेता इसकी सफाई भी नहीं दे रहा है। मतलब केजरीवाल की तीर सही निशाने पर लगा है। भाजपा में हचलच मच गई।

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, 'यह भोगियों और योगियों का चुनाव है', मतदान के समय याद रखें

गोरखपुर। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे बीच इस लोकसभा में लाखों को संख्या में वो युवा वोटर हैं जो पहली बार मतदान कर रहे हैं। आज उनकी आयु 18 से 22 साल होगी जो दस साल पहले 8 से 12 साल के रहे होंगे। जलशक्ति मंत्री में कहा "मैं अपने युवाओं को, जो देश का भविष्य हैं, ये याद दिलाना चाहता हूँ कि दस साल पहले कांग्रेस की सरकार में देश में हर 6 महीने में सीरियल बम ब्लास्ट और आतंकवादी घटनाएँ होती थीं। "साल 2024 का ये चुनाव सत्ता के भोगियों और देश की गरीब जनता की सेवा करने वाले योगियों के बीच है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 24 सालों में आजतक कोई छुट्टी नहीं ली। वो दिन रात प्रधानमंत्री पद के दायित्व की पूर्ति में लगे रहते हैं। सिर्फ़ ढाई से तीन घंटे सोकर एक योगी की तरह दिन रात देश की सेवा में लगे रहते हैं।

मित्रों, यह देश का सौभाग्य है कि हमें प्रधानमंत्री मोदी जैसा नेतृत्व मिला है" जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने रविवार को चुनावी सभा के दौरान ये बातें कहीं।

सिंह ने रविवार को संत कबीर नगर से लोकसभा प्रत्याशी प्रवीण निषाद और बांसगांव से लोकसभा प्रत्याशी कमलेश पासवान के लिए लोकसभा स्तरीय युवा मोर्चा सम्मेलन को संबोधित किया। तो वहीं, कुशीनगर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी विजय दुबे के लिए पिछड़ा मोर्चा सामाजिक सम्मेलन में वोट मांगे। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे बीच इस लोकसभा में लाखों को संख्या में वो युवा वोटर हैं जो पहली बार मतदान कर रहे हैं। आज उनकी आयु 18 से 22 साल होगी जो दस साल पहले 8 से 12 साल के रहे होंगे। जलशक्ति मंत्री में कहा "मैं अपने युवाओं को, जो देश का भविष्य हैं, ये याद दिलाना चाहता हूँ कि दस साल पहले कांग्रेस की सरकार में देश में हर 6 महीने में सीरियल बम ब्लास्ट और आतंकवादी घटनाएँ होती थीं।

लेकिन, मोदी सरकार में ये सब बीते दिनों की बात हो गई है. देश के नागरिक की सुरक्षा और क़ानून व्यवस्था इस सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है"। उन्होंने कहा यही वजह है कि देश के युवा मोदी जी को पसंद करते हैं. युवाओं का पहला वोट देश के नाम पर होगा, मोदी जी के नाम पर होगा. कहा, पहली बार वोट देने जा रहे मेरे युवा साथियों को याद रहे कि उनके एक वोट से ग़रीबों के लिए पक्का मकान, युवाओं के लिए रोज़गार, देश की सीमाओं को सुरक्षा, फ्री राशन, फ्री चिकित्सा और फ्री शिक्षा सुनिश्चित होती है। हर घर बिजली और हर नल जल पहुँचता है।

स्वतंत्र देव सिंह ने बीते दस सालों में मोदी सरकार के किए कामों को बारी–बारी गिनाया। कहा, पीएम मोदी ने हिंदुओं का आत्मसम्मान बढ़ाया है जो कांग्रेस ने कुचल कर रख दिया था। कांग्रेस के प्रधानमंत्री खुले मंच से ये बोलते थे कि देश के संसाधनों पर पहला हक़ मुसलमानों का है, जबकि मोदी के कहते हैं देश के संसाधनों पर सबका बराबरी में अधिकार है।

उन्होंने कहा "मित्रों, बीजेपी की सरकार मुसलमानों का तुष्टिकरण नहीं करती. गरीब को गरीब, वंचित को वंचित के निगाह से देखती है. जबकि कांग्रेस–सपा के लिये सब वोटबैंक हैं."

युवाओं से मतदाताओं को हर हाल में मतदान के दिन बूथ तक पहुँचाने का संकल्प देते हुए कहा कि अब बस 19 दिनों ही परिश्रम बाक़ी है. कमर कस लीजिए और लोगों से जमकर वोट डलवाइये. ये मत सोचिए कि मोदी जी तो जीत ही रहे हैं मेरे एक वोट से क्या होगा।

अपील करते हुए कहा कि आज हमारे देश का युवा जागरुक हो चुका है उसे ना जातिवाद दिखता है न क्षेत्रवाद वह सिर्फ राष्ट्रवाद के साथ है और हमेशा राष्ट्रवाद के साथ रहेगा।"हर एक वोट की क़ीमत है मित्रों. उठकर बूथ तक जाइए और पूरी ताक़त से कमल के निशान पर बटन दबाइए और अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित कीजिए", जलशक्ति मंत्री ने ज़ोर देकर कहा।

भू–माफिया कमलेश ने बुआ को ही बेच दी थी सीलिंग की जमीन, केस दर्ज

गोरखपुर। पिपराइच के महेंद्र सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है कि सीलिंग की जमीन दिखाकर उनसे कमलेश ने 17 लाख रुपये ले लिए। इसी तरह बिहार के 13 व्यापारियों ने सरकारी जमीन बेचकर दो करोड़ 85 लाख रुपये हड़पने का आरोप कमलेश पर लगाया है। इन मामलों में भी जांच चल रही है, बहुत जल्द कार्रवाई की जा सकती है। भू–माफिया कमलेश यादव की बुआ की शिकायत पर एम्स थाने में रविवार को उसके खिलाफ जालसाजी का केस दर्ज किया गया। बुआ ने कमलेश पर सीलिंग की जमीन का एग्रीमेंट कराकर 22 लाख 20 हजार रुपये हड़पने का आरोप लगाया था। शिकायत की जांच कर पुलिस ने कार्रवाई की है।

झंगहा क्षेत्र की सुनीता ने एम्स थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि वह कमलेश की बुआ लगती हैं। चार वर्ष पूर्व एम्स क्षेत्र के रुद्रापुर में गाटा संख्या 118, 119 जो सीलिंग की जमीन है, इसको कमलेश ने उनके नाम पर एग्रीमेंट किया था।

दर्ज हो सकते हैं और केस

बता दें कि पिपराइच के महेंद्र सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है कि सीलिंग की जमीन दिखाकर उनसे कमलेश ने 17 लाख रुपये ले लिए। इसी तरह बिहार के 13 व्यापारियों ने सरकारी जमीन बेचकर दो करोड़ 85 लाख रुपये हड़पने का आरोप कमलेश पर लगाया है। इन मामलों में भी जांच चल रही है, बहुत जल्द कार्रवाई की जा सकती है।

जेल में बंद है कमलेश

भू–माफिया कमलेश यादव पर छत्तीसगढ़ में भी जालसाजी का केस दर्ज है। हाल ही में कमलेश को छत्तीसगढ़ से वारंट बी पर गोरखपुर लाया गया है। जेल में बैरक नंबर चार में वह बंद है।

सौ करोड़ की संपत्ति हो चुकी जब्त

गैंगस्टर केस के तहत कमलेश और उसके साथी दीनानाथ की 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। कमलेश की सीलिंग की जमीन पर अवैध कमाई से बने कॉलेज को भी सीज किया जा चुका है। इसके अलावा दोनों के मोहद्दीपुर के मकान, जमीन पर भी कार्रवाई हो चुकी है। अभी हाल ही में बाराबंकी में स्थित चार मंजिला भवन प्रशासन ने जब्त किया है।

लारेंस बिश्नोई नेटवर्क में कई नाम रडार पर, खंगाला जा रहा है नेटवर्क

गोरखपुर। फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर फायरिंग के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटरों की धड़पकड़ तेज हो गई है। इस घटना में इस्तेमाल की गई पिस्टल की सप्लाई करने के आरोप में नौ मई को एसटीएफ ने चिलुआताल बरगदवां निवासी मनीष कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया। मनीष से पूछताछ के बाद कई नए नाम सामने आए हैं। इसके बाद से ही एसटीएफ टीम गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज में उनकी तलाश में जुट गई है।

फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर फायरिंग के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटरों की धड़पकड़ तेज हो गई है। इस घटना में इस्तेमाल की गई पिस्टल की सप्लाई करने के आरोप में नौ मई को एसटीएफ ने चिलुआताल बरगदवां निवासी मनीष कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया। मनीष से पूछताछ के बाद कई नए नाम सामने आए हैं।

इसके बाद से ही एसटीएफ टीम गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज में उनकी तलाश में जुट गई है। सूत्रों की मानें बिहार से तमंचे की की सप्लाई देश भर की जा रही है। बिहार गोरखपुर से सटा होने की वजह से यहां के युवक अवैध तमंचे के धंधे में उतरते हैं। ताकि तमंचा बेचकर उनकी कमाई हो सके। अभी हाल ही में आरटीओ की जांच में भी यह बात सामने आई थी कि बिहार की बसों से असलहे की तस्करी हो रही है।

और भी गैंग को सप्लाई कर रहे तमंचा

सूत्रों की माने तो बिहार से असलहा लाकर पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से होते हुए देश के कई शहरों में भेजा जा रहा है। यहां के तस्कर केवल एक गैंग के लिए नहीं बल्कि कई बड़े बदमाशों को तमंचा उपलब्ध करा रहे हैं। एसटीएफ इसकी पड़ताल कर रही है, बहुत जल्द कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

नई उम्र के युवा गैंग में शामिल

अभी तक की पड़ताल में एक बात सामने आई है कि पूर्वांचल के नई उम्र के युवा लॉरेंस बिश्नोई गैंग में शामिल हो रहे हैं। इनका अपने जिले में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। इसलिए जिले की पुलिस की उनपर नजर नहीं होती है। ये बड़े आराम से असलहे की तस्करी कर बिश्नोई गैंग तक पहुंचा रहे हैं। इसके साथ ही गैंग के गुर्गों को शरण देने और नेपाल पहुंचाने में भी यहां के नई उम्र के युवा मददगार बन रहे हैं।

सलमान के घर 14 अप्रैल को हुई फायरिंग

सलमान के मुंबई के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के सामने 14 अप्रैल की सुबह 5 बजे फायरिंग की गई थी। दो आरोपी बाइक पर सवार होकर आए और पांच राउंड फायर किए। दोनों शूटर बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने उनको गिरफ्तार तो कर लिया लेकिन पिस्टल जिससे वह फायरिंग किए थे वह बरामद नहीं हो पाई।

मनीष को साथ ले गई अंबाला एसटीएफ

अंबाला एसटीएफ मनीष कुमार यादव से पूछताछ के बाद उसको अपने साथ लेते गई। लारेन्स बिश्नोई गैंग को असलहा सप्लाई करने के संबंध में वर्ष 2023 में हरियाणा के कुरूक्षेत्र जिले के शाहाबाद थाने में आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है। वह इस केस में वांछित चल रहा था।

सपा में शामिल होंगे दयाशंकर बोले– घर वापसी का सवाल नहीं इन नेता के द्वारा करेंगे पार्टी ज्वाइन

संवाद न्यूज एजेंसी, बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाशंकर मिश्रा जल्द ही समाजवादी पार्टी में शामिल होंगे।

पार्टी में तरजीह न मिलने की वजह से भाजपा छोड़ बसपा में शामिल हुए थे और भाजपा के खिलाफ लोकसभा चुनावों में बसपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में थे।

बसपा ने उन्हें टिकट देकर लोकसभा चुनाव मैंदान में उतारा था लेकिन, ऐन वक्त यानी कि नामांकन के आखिरी दिन बसपा ने उनका टिकट काट लवकुश पटेल को दे दिया। इसी के बाद जिले में सियासी पारा चढ़ गया और लोग भाजपा की जीत सुनिश्चित मान रहे थे, ऐसा इसलिए क्योंकि दयाशंकर मिश्रा की लड़ाई को लेकर सीधे तौर पर भाजपा से देखा जा रहा था।

राजनीतिक जानकारों की मानें तो दयाशंकर मिश्रा जितनी तेज लड़ते उतना नुकसान भाजपा को होता और जिले में समाजवादी पार्टी मजबूत होती, लेकिन अब दयाशंकर मिश्रा के घर वापसी का सवाल ही नहीं है। अब वे सपा में शामिल होंगे। दयाशंकर मिश्र का टिकट कटने के बाद जहां उनके समर्थकों में निराशा थी, तो वहीं विरोधी खेमें में जश्न का माहौल था।

बसपा से टिकट कटना दयाशंकर मिश्र के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं था। हालांकि, बसपा से टिकट कटना कुछ लोग भाजपा की ही रणनीति का हिस्सा मान रहे थे।

दयाशंकर बोलेः समाजवादी पाटी को करूंगा ज्वाइन

पूर्व भाजपा नेता दयाशंकर मिश्रा से जब बात की गई तो उन्होने कहा कि अब वे समाजवादी पार्टी को ज्वाइन करेंगे और समाजवादी पार्टी के साथ पूरी तकत से खड़े रहेंगे। उन्होने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उन्हें सपा ज्वाइन कराएंगे, उनकी बात हो गई है।

हदी बाजार के बड़े सराफा व्यापारी पर दर्ज होगा फर्जी बैनामा का केस– कोर्ट ने दिया ये आदेश

गोरखपुर। कोतवाली इलाके के पुर्दिलपुर की रहने वाली शर्मिला घोष ने बताया कि उनके बाबा खगेंद्र नाथ घोष ने 1938 में घर बनवाया था। पूर्वजों की मौत के बाद शर्मिला घोष का नाम भवन पर दर्ज चला आ रहा है। शर्मिला का आरोप है कि उनके 1402 वर्ग फीट मकान और 5000 वर्ग फीट खाली जमीन को हड़पने के लिए सराफा परिवार ने फर्जी व्यक्ति खड़ा कर 31 मई 1996 में कूटरचित रजिस्ट्री बैनामा करवा लिया। हिंदी बाजार के एक बड़े सराफा व्यापारी और परिवार के सदस्यों पर फर्जी बैनामा कराने का आरोप लगा है। पीड़ित का आरोप है कि फर्जी व्यक्ति को खड़ा कर जमीन और मकान का बैनामा करा लिया गया। फर्जी बैनामे की जांच भी गोपनीय तरीके से जिले के एक पुलिस अधिकारी की तरफ से की गई थी, लेकिन इस रिपोर्ट को पुलिस ने दरकिनार कर दिया।

तब पीड़ित ने सभी प्रपत्रों के साथ न्यायालय की शरण ली। प्रार्थनापत्र की सुनवाई करते हुए एसीजेएम ज्ञानेंद्र कुमार द्वितीय ने कोतवाली थाने को एक सप्ताह के भीतर केस दर्ज कर न्यायालय को सूचना देने का आदेश जारी किया है। कोतवाली इलाके के पुर्दिलपुर की रहने वाली शर्मिला घोष ने बताया कि उनके बाबा खगेंद्र नाथ घोष ने 1938 में घर बनवाया था। पूर्वजों की मौत के बाद शर्मिला घोष का नाम भवन पर दर्ज चला आ रहा है। शर्मिला का आरोप है कि उनके 1402 वर्ग फीट मकान और 5000 वर्ग फीट खाली जमीन को हड़पने के लिए सराफा परिवार ने फर्जी व्यक्ति खड़ा कर 31 मई 1996 में कूटरचित रजिस्ट्री बैनामा करवा लिया। फर्जी बैनामा के आधार पर पुश्तैनी मकान पर मिलीभगत कर नगर निगम में अपना नाम भी दर्ज करवा लिया। अवैध रूप से कागजों में नाम चढ़वाने के बाद आरोपियों की तरफ से आए दिन विधिविरुद्ध तरीके से बेदखल कर पीड़िता के भवन व जमीन पर कब्जा करने की धमकी दी जाती है। न्यायालय में दिए प्रार्थनापत्र के माध्यम से पीड़ित ने बताया कि इस मामले में उनकी तरफ से 15 दिसंबर 2022 को एसएसपी को आईजीआरएस कर शिकायत की गई थी। इसी आधार पर क्षेत्राधिकारी कैंट को मामले की जांच सौंपी गई थी। प्रपत्रों की जांच कर सहायक निरीक्षक निबंधन से पत्राचार कर जमीन के संबंध में आख्या मांगी थी।

सीतापुर हत्याकांड में नया मोड़: इस वजह से बड़े भाई अजीत ने परिवार के छह लोगों को मारा, चौंकाने वाला कबूलनामा

सीतापुर। हत्याकांड में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पल्हापुर गांव में मां, पत्नी और अपने तीन बच्चों की हत्या अनुराग सिंह ने नहीं, बल्कि उसके बड़े भाई अजीत सिंह ने की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अनुराग के सिर में दो गोलियां लगने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने अजीत से कड़ाई से पूछताछ की। अजित ने परिवार के सभी छह लोगों की हत्या की बात कबूल कर ली। तफ्तीश में तथ्य उजागर हुए हैं कि संपत्ति विवाद में अनुराग, उसकी पत्नी प्रियंका व तीन मासूमों के साथ मां सावित्री की भी हत्या कर दी। पहले पुलिस ने अजीत और अन्य परिजनों के हवाले से बताया था कि शनिवार तड़के परिवार के पांच लोगों की हत्या कर अनुराग ने खुदकुशी कर ली।

अनुराग को नशे का आदी और मानसिक रोगी भी बताया गया था। पुलिस के मुताबिक, अजीत ने माना है कि उसने पहले अनुराग को मारा, उसके बाद मां और फिर अनुराग की पत्नी प्रियंका को गोली मारी। इस बीच बड़ी बेटी के जगने पर उसे भी गोली मार दी। इसके बाद सो रहे अनुराग के दो बच्चों को छत से नीचे फेंक दिया। इससे पहले पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद रविवार को डीजीपी प्रशांत कुमार ने आईजी रेंज तरुण गाबा को मौके पर भेजा तो पुलिस ने सामूहिक हत्याकांड का मामला मानकर जांच शुरू की। अनुराग के ताऊ, बड़े भाई अजीत, उसकी पत्नी और दो नौकरों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। कुछ देर बाद अजीत टूट गया और उसने सच बयां कर दिया। एसपी चक्रेश मिश्र ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद नए सिरे से जांच शुरू की गई।

अनुराग को भी मारी थी दो गोलियां एक गले को चीरती हुई निकली, दूसरी सिर में फंसी

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, अनुराग को एक गोली दाहिनी कनपटी पर मारी गई। जो गले को चीरते हुए दूसरी तरफ निकल गई। वहीं दूसरी गोली बाएं तरफ से मारी गई जो कि सिर में जाकर फंस गई। उसकी मां सावित्री के सिर में पांच से छह चोटें आई हैं, जो कि हथौड़े से की गई बताई जा रही हैं। दस वर्षीय बड़ी बेटी आस्वी को भी गोली मारी गई है।

ऐसा माना जा रहा है जब वह लेटी थी तब उसके गले में गोली मारी गई। वहीं अन्य दो बच्चों अर्ना और आद्विक को सिर में चोटें आई हैं। अर्ना की दाहिनी जांघ की हड्डी टूटी पाई गई है। आद्विक के सिर में चोट लगने के साथ उसके बाईं जांघ की हड्डी टूटी मिली। अनुराग की पत्नी प्रियंका को सीने में गोली मारने के बाद हथौड़े से कूंच कर मौत के घाट उतारा गया है।

चार घंटे चला पोस्टमार्टम

दोहर तीन बजे से मृतकों का पोस्टमार्टम शुरू हुआ। करीब शाम 7 बजे तक पोस्टमार्टम चलता रहा। कुल चार घंटे तक पोस्टमार्टम हुआ। सबसे पहले आद्विक का पोस्टमार्टम हुआ। उसका व आस्वी का शव दोपहर ढाई बजे के करीब पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गया था। इसके बाद अनुराग, उसकी मां सावित्री और अंत में पत्नी प्रियंका का पोस्टमार्टम हुआ। जिसमें अनुराग का पोस्टमार्टम शाम 5 बजे से शुरू होकर 5 बजकर 55 मिनट तक चला। पोटस्मार्टम के बाद मृतकों के वस्त्र सुरक्षित रखे गए थे। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत की दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई थी। पहले पुलिस ने माना था कि एक शख्स ने अपनी मां, पत्नी और बच्चों की निर्मम हत्या की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी ने गोली मारकर जान दे दी। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने बताया था कि मथुरा थाना क्षेत्र के पल्हापुर गांव में अनुराग सिंह (45) ने रात ढाई से तीन बजे के करीब सबसे पहले अपनी मां सावित्री (62) को गोली मारी, इसके बाद पत्नी प्रियंका सिंह (40) की गोली मारी। पत्नी के सिर पर हथौड़े से भी वार किया, ताकि वो जिंदा न बचे। पत्नी के पास हथौड़ा पड़ा भी मिला था।

अमौसी समेत देश के 13 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ। लखनऊ सहित 13 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया। लखनऊ में पुलिस व बम निरोधक दस्ते ने छानबीन की पर कुछ भी नहीं मिला। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अमौसी समेत देश के 13 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इससे अमौसी एयरपोर्ट के सुरक्षाकर्मी तत्काल सक्रिय हो गए। पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ता भी एयरपोर्ट पहुंचा। पूरे परिसर के साथ उस वक्त वहां मौजूद फ्लाइट्स की जांच की गई। इस दौरान कुछ भी नहीं मिला। करीब एक घंटे बाद एयरपोर्ट का माहौल सामान्य हो सका। पुलिस के मुताबिक रविवार दोपहर करीब तीन बजे सीआईएसएफ कार्यालय को एक ई–मेल मिला। इसमें अमौसी के अलावा बागडोगरा, भोपाल, पटना, जम्मू और जयपुर समेत कुल 13 एयरपोर्ट के नाम लिखे थे। धमकी दी गई थी कि इन एयरपोर्ट को कुछ ही देर में बम से उड़ा दिया जाएगा।

अमौसी एयरपोर्ट प्रशासन ने तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचना दी और अलर्ट जारी किया गया। एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने छानबीन शुरू की। कुछ ही देर बाद पुलिस अफसर बम निरोधक दस्ते के साथ मौके पर पहुंच गए। बम निरोधक दस्ते ने पूरे एयरपोर्ट परिसर की छानबीन की। साथ ही सभी फ्लाइट्स की भी जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। डीसीपी साउथ तेज स्वरूप सिंह ने बताया कि धमकी भरा ई–मेल मिला था, लेकिन जांच में पूरा मामला फर्जी पाया गया।

अदिति सिंह की खामोशी से सियासी बेचैनी...भाजपा काडर थिंकटैंक भी परेशान, शाह की सभा में पहुंची लेकिन रही चुपी

रायबरेली। भाजपा विधायक अदिति सिंह की खामोशी से सियासी बेचैनी है। भाजपा का थिंकटैंक भी परेशान है। अदिति गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी जनसभा में विधायक पहुंची, लेकिन वो चुप रहीं। विधायक की पोस्ट से खलबली मची है। भाजपा के लिए लोकसभा का चुनाव अग्नि परीक्षा सरीखा है। पार्टी ने राज्यमंत्री दिनेश सिंह पर दूसरी बार दांव लगाया है। वहीं भाजपा की सदर विधायक अदिति सिंह ने जिस तरह खामोशी और चुनाव से दूरी बना रखी है, उससे सियासी हलकों में भी बेचैनी है।

सदर विधानसभा में अदिति सिंह की राजनीतिक जमीन मजबूत है। ऐसे में भाजपा के लिए वह एक मजबूत कड़ी हैं। उनके चुनाव से दूर रहने से भाजपा का थिंकटैंक खुलकर कुछ कह तो नहीं रहा है लेकिन भीतरखाने वह भी परेशान है। वहीं एक्स पर उनकी पोस्ट से सियासी गलियारों में हलचल मची हुई है। हालांकि शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह के चुनावी सभा में विधायक अदिति सिंह अपनी मां वैशाली सिंह के साथ शिरकत की, लेकिन वह पूरी तरह से चुप्पी साध रखी।

सदर विधायक अदिति सिंह भाजपा से विधायक उस दौर में हैं, जब जिले की छह विधानसभा में चार पर सपा का कब्जा है। सपा के बेहतर सियासी समीकरण के बावजूद सदर की महत्वपूर्ण सीट पर अदिति सिंह भाजपा का दबदबा बनाए हुए हैं।

लोकसभा के चुनावी महासमर में रायबरेली लोकसभा सीट की पांच विधानसभाओं में सदर विधानसभा का बहुत महत्व है। इस विधानसभा में कांग्रेस हमेशा से हर चुनाव में बड़ी लीड लेती रही है। ऐसे में भाजपा के लिए यह विधानसभा क्षेत्र बहुत मायने रखता है। भाजपा के रणनीतिकार भी इस विधानसभा क्षेत्र में हर हाल में लीड लेना चाहते हैं। ऐसे केवल सदर विधायक अदिति सिंह की रणनीति को मैदान में उतराने पर होगा, लेकिन सदर विधायक की खामोशी एक सवाल सरीखी है। अभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उनकी पोस्ट उसूलों के साथ समझौता नहीं ने खलबली मचा दी है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह की जनसभा में दिखी अदिति सिंह

रविवार को जीआईसी मैदान में भाजपा की जनसभा में सदर विधायक अदिति सिंह अपनी मां एवं अमावां ब्लॉक प्रमुख वैशाली सिंह के साथ पहुंचीं। दोपहर करीब एक बजे वह जनसभा स्थल पर पहुंचीं। इस दौरान सबसे खास बात यह रही कि वहां बैठे पदाधिकारी उस गर्मजोशी से सदर विधायक से नहीं मिले।

एक–दो नेताओं ने ही उनका हालचाल लिया। वहीं गौर करने वाली बात यह रही कि मंच से संबोधन भी सदर विधायक ने नहीं किया और न ही इसके लिए उनसे कहा गया। प्रदेश की मंत्री प्रतिभा शुक्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष सहित बड़े नेता मंच पर दिखे, लेकिन किसी ने विधायक अदिति सिंह ने कुछ भी बात करने की जरूरत नहीं समझी।

हालांकि जब गृहमंत्री अमित शाह मंच में पहुंचे तो उन्होंने अदिति सिंह का नाम पहले लिया। इससे साफ रहा कि भाजपा हाईकमान की निगाह में अदिति सिंह का कद बना हुआ है। सूत्र बताते हैं कि भाजपा के रणनीतिकार अदिति को सलाह मशविरा करना चाहते हैं, लेकिन कुछ कारण ऐसे भी हैं, जिनसे रणनीतिकार भी अपने अपने पैर पीछे हटाने को मजबूर होते हैं।

धनजंय सिंह: पत्नी के चुनाव से पीछे हटने की वजह अब आई सामने

लखनऊ। धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला ने जौनपुर से अपने पर्चा वापस ले लिया था। अब इसकी वजह सामने आ रही है। सियासी गलियारों में इसकी चर्चा तेज हो गई है। खनन घोटाले के आरोपी पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की बेशकीमती संपत्ति बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को बेचने के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया है। इसकी शिकायत ईडी और लोकायुक्त संगठन से की गई है। इस संपत्ति को गायत्री की कंपनी एमजीए कॉलोनाइजर्स की ओर से सुल्तानपुर निवासी रमेश कुमार ने 17 अगस्त 2016 को कैंट के थिमैय्या रोड निवासी वीसी मिश्रा व मृणालिनी पांडेय से खरीदा था।

बता दें कि वीसी मिश्रा कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के करीबी रिश्तेदार हैं। इसके बाद कंपनी ने भूखंड पर आलीशान भवन का निर्माण कराया और फिर धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को बेच दिया।

सियासी गलियारों में चर्चा है कि ईडी और लोकायुक्त संगठन में हुई इन शिकायतों के बाद ही धनंजय ने लोकसभा चुनाव में अपनी पत्नी श्रीकला रेड्डी की दावेदारी को वापस लेने का फैसला लिया है। धनंजय ने जेल से छूटते ही जिस तरह से अचानक पत्नी को चुनाव नहीं लड़ाने की घोषणा की, उसे देखते हुए इन कयासों को बल भी मिल रहा है।

150 करोड़ से अधिक की संपत्तियां जब्त

बता दें कि ईडी ने अब तक खनन घोटाले में गायत्री प्रसाद प्रजापति, उनके करीबी रिश्तेदारों, कंपनियों की 50.37 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त किया है, जिनकी वर्तमान बाजार मूल्य 150 करोड़ रुपये से अधिक है। हाल ही में ईडी ने गायत्री के अमेठी, लखनऊ, मुंबई आदि ठिकानों पर छापा भी मारा था। इस दौरान उनकी करीबी महिला मित्र गुड्डा देवी के आवास से 65 लाख रुपये नकदी मिली थी। साथ ही तमाम बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद हुए थे। ईडी करीब आधा दर्जन से अधिक कंपनियों की संपत्तियों और बैंक खातों को भी जब्त कर चुका है।

डरा रहा डायरिया... मलेरिया के भी बढ़ रहे मरीज

बरेली। बरेली में बारिश के बाद डायरिया और मलेरिया के मरीज बढ़ने लगे हैं। जिला अस्पताल का बच्चा वार्ड बीते 72 घंटे से फुल है। स्थिति यह है कि एक–एक बेड पर दो–दो मरीज उपचार करा रहे हैं। बरेली में भीषण गर्मी, पहली बारिश और मच्छरों के हमले का असर दिखने लगा है। मच्छरों का हमला तेज होने से जहां मलेरिया के मरीजों की तादाद बढ़ रही है, वहीं डायरिया बच्चों को तेजी से चपेट में ले रहा है। जिला अस्पताल का बच्चा वार्ड बीते 72 घंटे से फुल है। 10 अतिरिक्त बेडों की व्यवस्था किए जाने के बाद भी एक बेड पर दो–दो मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है। वहीं शनिवार को हुई बारिश के बाद बुखार और मलेरिया के मरीजों की संख्या में भी इजाफा होने लगा है। जिला अस्पताल की ओपीडी और रविवार को स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित आरोग्य मेले के आंकड़े इसकी पुष्टि कर रहे हैं।

जिला अस्पताल में नही खाली हो रहे बेड

जिला अस्पताल के बच्चा वार्ड में बेड नहीं खाली हो रहे। शनिवार को डायरिया पीड़ित 11 बच्चों को भर्ती किया गया था। रविवार को पहले से भर्ती सात बच्चों को छुट्टी दे दी गई, लेकिन आठ और बच्चों को भर्ती करना पड़ा। बच्चा वार्ड में बेड कम होने और लगातार बढ़ रहे डायरिया के प्रकोप के बीच जिला अस्पताल प्रशासन अन्य विकल्प तलाश रहा है। रविवार को जिला अस्पताल की ओपीडी बंद रही, लेकिन गंभीर मरीज इमरजेंसी में पहुंचते रहे।

सोमवार को ओपीडी में भी बच्चों की संख्या ज्यादा रहने की आशंका है। एडीएसआईसी डॉ. अलका शर्मा ने बताया कि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। बच्चा वार्ड में 10 अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की गई है। दवाओं की कोई कमी नहीं है। बाल रोग विशेषज्ञ की 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है। डायरिया पीड़ित बच्चों की संख्या ज्यादा है। अतिरिक्त बेडों के लिए भी विकल्प पर काम किया जा रहा है।

140 संदिग्धों की जांच, 16 मलेरिया की चपेट में

जिले में मलेरिया का हमला तेज हो गया है। रविवार को जिले के 71 स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित आरोग्य मेले में 4,260 मरीज पहुंचे। इसमें मलेरिया संदिग्ध 140 मरीजों की जांच की गई। 16 में मलेरिया की पुष्टि हुई। पेट व त्वचा संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की तादाद ज्यादा रही। 121 लोगों के आयुष्मान गोल्डन कार्ड भी जारी किए गए। 27 लोगों की हेपेटाइटिस की जांच और 57 का नेत्र परीक्षण किया गया। बुखार के 269 मरीज पहुंचे।

626 मरीज त्वचा रोगों से पीड़ित रहे। मलेरिया के मामले में जिला पहले से हाई रिस्क श्रेणी में शामिल है। ऐसे में अलर्ट जारी कर मरीजों की स्क्रीनिंग के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट को लगाया गया है। संवेदनशील गांवों में नियमित स्क्रीनिंग कराने का निर्णय लिया गया है। सर्विलांस अधिकारी डॉ. अखिलेश्वर सिंह के अनुसार टीमें काम कर रही हैं। रोकथाम के सभी उपाय किए जा रहे हैं।

अभी कमजोर नहीं हुआ कांग्रेस का किला

राहुल की गैर मौजूदगी में भी स्मृति को मिल रही चुनौती

रायबरेली। यहां चेहरे मायने जरूर रखते हैं, लेकिन इस बार पार्टियों की भी बातें हैं। इसकी झलक अमेठी के मुन्ना सिंह त्रिशुंडी की बातों में मिलती है। वह कहते हैं कि 'यहां उम्मीदवार के नाम पर नहीं, पार्टी के नाम पर चुनाव हो रहा है। पंजे के चाहने वालों की कमी नहीं है। कांग्रेस ने अमेठी को एचएएल, बीएचईएल, वेस्पा जैसे प्रोजेक्ट दिए। राहुल गांधी के अमेठी की बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ने का मुद्दा बना था, लेकिन अब इसकी चर्चा नहीं।' गौरीगंज में अमेठी की राजनीति पर बहस कर रहे युवा मोहम्मद तबशीर व चक्रपाणि मिश्रा तथा इंद्रेश कुमार कहते हैं– 'किशोरी लाल (कांग्रेस उम्मीदवार) के विरुद्ध किसी के पास कोई मुद्दा ही नहीं है। उनका वर्षों का जनसंपर्क उनके काम आ रहा है। उनसे कोई भी मिल सकता है। कांग्रेस ने अपनी कूटनीति में भाजपा को उलझा लिया है। चुनाव एकतरफा नहीं होगा।'

अमेठी बनी भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न

अमेठी में केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी लगातार दूसरी जीत के इरादे से चुनाव लड़ रही हैं तो भाजपा के लिए यह सीट प्रतिष्ठा का प्रश्न है। भाजपाइयों के अपने दावे हैं। गौरीगंज के प्रभारी कृपाशंकर मिश्र व संयोजक उमेश प्रताप सिंह मुन्ना बताते हैं– 'दीदी (स्मृति इरानी) ने पांच वर्षों में बहुत मेहनत की है। उनके कार्यकाल में स्टेडियम, क्रिकेट अकादमी, स्वीमिंग पूल, बाईपास व सड़कों पर काम हुआ।' वे यह भी कहते हैं कि दीदी दो माह से अधिक समय से अमेठी में डटी हुई हैं और उन्होंने पूरे लोकसभा क्षेत्र का एक बार दौरा पूरा कर लिया है। उनकी सक्रियता का लाभ तो मिलेगा ही।

अमेठी में विकास की स्थिति

अमेठी के जिला मुख्यालय गौरीगंज को कस्बे के रूप में देखकर ही इस बात का एहसास हो जाता है कि अमेठी को विकास के मामले में हमेशा नजरअंदाज किया गया है। 2010 में जिला बनने के बाद काम तो हुए हैं, लेकिन औद्योगीकरण, शिक्षा, सेहत, रोजगार और कानूनी सेवाओं को लेकर अमेठी के लोगों को दूसरे जिलों का सहारा लेना पड़ रहा है। फिर भी चुनाव में यह सब मुद्दा नहीं है।

कमजोर नहीं हुआ अमेठी का किला...

भाजपा ने स्मृति इरानी को तीसरी बार मैदान में उतारा है तो गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा कांग्रेस से प्रत्याशी हैं। स्मृति इरानी ने 2019 में राहुल गांधी को 55,120 मतों से हराकर कांग्रेस की पारंपरिक सीट पर भाजपा का कब्जा करवाया था।

कांग्रेस ने किशोरी लाल को उतारा मैदान में

2014 में राहुल गांधी ने स्मृति को 1,07,903 मतों से हराया था। इस बार राहुल गांधी के बजाय कांग्रेस ने सोनिया गांधी के प्रतिनिधि किशोरी लाल शर्मा को मैदान में उतारा है। किशोरी लाल 40 वर्षों से अमेठी व रायबरेली में सक्रिय हैं। बसपा के उम्मीदवार नन्हे सिंह चौहान मुकाबले को कितना त्रिकोण दे पाते हैं, यह तो समय ही बताएगा। यहां के पांच विधानसभा क्षेत्रों में तिलोई, सैलून व जगदीशपुर पर भाजपा का कब्जा है तो गौरीगंज व अमेठी की विस सीटों पर समाजवादी पार्टी का।

उत्तर प्रदेश की साक्षरता दर 67.68 प्रतिशत की तुलना में 69.72 प्रतिशत साक्षरता दर के बाद भी रोजगार के अभाव में अमेठी के लोगों की आय का मुख्य स्रोत खेती ही है। कर्मठ किसानों ने अमेठी की ऊसर व बंजर जमीन को भी खेती योग्य बना दिया है। तिलोई विधानसभा क्षेत्र के जायस में चाय की दुकान पर रवि कुमार कहते हैं कि 'अमेठी में खेती लोगों की आय का मुख्य स्रोत है। बेसहारा पशुओं से किसान परेशान हैं। चुनाव कोई भी जीते, लेकिन किसानों की इस समस्या को जो हल करवाएगा, उसे तरजीह दी जाएगी। योगी आदित्यनाथ ने इस दिशा में कदम उठाया है। सरकार पैसे भी दे रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बेसहारा पशुओं पर पैसा खर्च नहीं हो रहा है। इससे किसानों को काफी नुकसान है।' जातीय गणित पर भी

अमेठी... संजय गांधी राजीव गांधी सोनिया गांधी राहुल गांधी को संसद तक पहुंचाने वाली सीट। स्मृति इरानी के लिए संसद का द्वार खोलने वाली सीट। राहुल गांधी के न लड़ने से माना जा रहा था कि स्मृति के लिए मुकाबला आसान होगा लेकिन चुनावी परिदृश्य कहता है कि कांग्रेस यहां अभी इतनी कमजोर नहल। अमेठी के चुनावी माहौल पर प्रमुख संवाददाता मनोज त्रिपाठी की रिपोर्ट...

सबकी नजरें हैं। पिछड़ी जातियों के 30, ब्राह्मण 18, ठाकुर 12, वंचित समाज के 23 और मुस्लिम करीब 17 प्रतिशत हैं। पूरे मंशा गांव के किसान मोहन लाल बताते हैं कि 'सड़कें अच्छी बन गई हैं। बिजली समस्या काफी कम हो गई है। फसल खरीदी जा रही है, लेकिन अमेठी को और विकास चाहिए।'

टीकरमाफी गांव के पास खाद की दुकान पर चुनावी गुफ्तगू में व्यस्त राम जी मिश्रा पहले तो कुछ बोलने से हिचकिचाते हैं, लेकिन धीरे–धीरे खुलते हैं और कहते हैं '40 वर्ष पहले अमेठी में क्या हुआ था, उसे जानने वाली एक पीढ़ी के तमाम लोग गुजर चुके हैं, इसलिए अब अमेठी किसी परिवार की नहीं रह गई है।' हालांकि वह यह भी कहते हैं कि कांग्रेस पारंपरिक वोटों के साथ सपा के सहारे से भाजपा को टक्कर देगी।

राजघरानों की भूमिका पर नजरें

अमेठी की राजनीति में दो राजघरानों की भूमिका भी हर चुनाव में अहम होती है। कहावत है कि ..अमेठी में न होत ऊसर, तो राजा होत दैव के दूसर (अमेठी की जमीन ऊसर न होती तो यहां के राजा ईश्वर होते) वहीं दूसरे राजघराने तिलोई के बारे में कहावत है कि ..तिलोई, न होत ताल तो राजा होत दैव के लाल (तिलोई में ताल न होते तो यहां के राजा ईश्वर के लाल होते। इन कहावतों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां के राजघराने कभी कितने प्रसिद्ध हुआ करते थे। फिलहाल इस चुनाव में राजपरिवार से डॉ. संजय सिंह व मयंकेश्वर शरण सिंह पर भी सभी की नजरें हैं। मयंकेश्वर तिलोई से विधायक और राज्यमंत्री भी हैं, जबकि डा. संजय सिंह पिछला विधानसभा चुनाव 18,096 मतों से हार गए थे।

खेरौना के लोगों को भूले उम्मीदवार

1976 में देश में आपातकाल लगने के एक वर्ष बाद अचानक से खेरौना की चर्चा पूरे देश में होने लगी। एक दिन अचानक तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी के साथ संजय गांधी खेरौना पहुंचे और पगडंडी वाले गांव में श्रमदान कर सड़क का निर्माण शुरू कर दिया। उनके साथ दिल्ली से युवा कांग्रेसियों की टीम भी आई।

करीब एक माह तक संजय गांधी तक परिश्रम कर अपने लिए 'राजनीतिक सड़क' तैयार की। हालांकि, 1977 के लोकसभा चुनाव में संजय गांधी जनता पार्टी के रवीन्द्र प्रताप सिंह से 75,844 वोटों से हार गए थे। 1980 में उन्होंने जीत हासिल की थी। खेरौना के 75 वर्षीय रामदीन बताते हैं कि उस समय गांव में उत्सव जैसा माहौल था और उनकी उम्र 28 वर्ष थी। उन्होंने भी श्रमदान किया था। नाराज भी हैं क्योंकि इस बार अभी तक न कांग्रेस और न ही किसी अन्य दल ने खेरौना का हाल लिया।

यूपी में पांचवें चरण में उतरे 29 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में विभिन्न दलों से मैदान में उतरे 144 उम्मीदवारों में से 29 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें समाजवादी पाटह के टिकट पर लखनऊ से चुनाव लड़ रहे रविदास मल्होत्रा पर सबसे अधिक 18 मामले और कांग्रेस के टिकट पर झांसी से चुनाव लड़ रहे प्रदीप जैन आदित्य पर छह मामले दर्ज हैं। 53 करोड़पति उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे हैं।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में विभिन्न दलों से मैदान में उतरे 144 उम्मीदवारों में से 29 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें समाजवादी पार्टी के टिकट पर लखनऊ से चुनाव लड़ रहे रविदास मल्होत्रा पर सबसे अधिक 18 मामले और कांग्रेस के टिकट पर झांसी से चुनाव लड़ रहे प्रदीप जैन आदित्य पर छह मामले दर्ज हैं। 53 करोड़पति उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें झांसी से भाजपा के उम्मीदवार अनुराग शर्मा सबसे अमीर हैं, इनकी संपत्ति लगभग 212 करोड़ है।

करण भूषण के पास 49 करोड़ की संपत्ति

कैसरगंज से भाजपा उम्मीदवार करण भूषण सिंह की संपत्ति 49 करोड़ है और गोंडा से भाजपा की टिकट पर खड़े कीर्तिवर्धन सिंह की संपत्ति लगभग 37 करोड़ है। 144 में से 13 महिला उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में हैं।

उत्तर प्रदेश इलेक्शन वाच और एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स की रिपोर्ट के अनुसार पांचवें चरण में लखनऊ, गोंडा, मोहनलालगंज, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद और कैसरगंज से चुनाव लड़ रहे 144 उम्मीदवारों में बहुजन समाज पार्टी के 14 में से पांच भाजपा के 14 में से चार, सपा के 10 में से पांच, कांग्रेस के चार में से तीन अपना दल (कमेरावादी) के चार में से एक उम्मीदवारों ने अपने अपराधिक मामले घोषित किए हैं।

बसपा के 29 प्रतिशत, भाजपा के 21 प्रतिशत, सपा के 40 प्रतिशत, कांग्रेस के 75 प्रतिशत, अपना दल (कमेरावादी) के 25 प्रतिशत, उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। एडीआर के राज्य संयोजक संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि करोड़पति उम्मीदवारों में भाजपा के 14 में से 13, सपा के 10 में से 10, बसपा के 14 में से 10, कांग्रेस के चार में चार उम्मीदवार करोड़पति हैं। सबसे कम संपत्ति घोषित करने वाले शीर्ष तीन उम्मीदवारों में हमीरपुर लोकसभा सीट से अल हिंद पार्टी से चुनाव लड़ रहे धर्मराज हैं, जिनकी कुल समत्ति 20 हजार हैं।

दूसरे नंबर पर झांसी से इसी पार्टी के दीपक कुमार वर्मा की संपत्ति 22 हजार और तीसरे नंबर पर फैजाबाद से भारत महापरिवार पार्टी के उम्मीदवार अम्बरीश देव गुप्ता ने कुल संपत्ति 32 हजार रूपए बताई है। 4 उम्मीदवारों की अपनी शैक्षिक योग्यता पांचवी और 12 वीं के बीच है, जबकि 89 उम्मीदवार स्नातक और इससे अधिक पढ़े हैं। छह उम्मीदवार डिप्लोमा धारक हैं तो तीन साक्षर और दो उम्मीदवार अनपढ़ हैं।

पीएम मोदी के लिए कल होगा सबसे भावुक पल नामांकन के दौरान अपने इस खास लम्हे को करेंगे मिस

काशी के सांसद नरेन्द्र मोदी का बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से दिल का नाता है। यह बात वो खुद कहते हैं और उनकी बात–व्यवहार में भी दिख जाता है। इस बार जब वह बनारस से लोकसभा चुनाव के लिए तीसरी बार नामांकन करने जाएंगे तो यह पल भावुक करने वाला होगा। जन्मदात्री मां की स्मृतियां होंगी जिनके चरण स्पर्श कर हर बार नामांकन करने जाते रहे हैं।

वाराणसी। काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से दिल का नाता है। यह बात वो खुद कहते हैं और उनकी बात–व्यवहार में भी दिख जाता है। इस बार जब वह बनारस से लोकसभा चुनाव के लिए तीसरी बार नामांकन करने जाएंगे तो यह पल भावुक करने वाला होगा।

जन्मदात्री मां की स्मृतियां होंगी, जिनके चरण स्पर्श कर हर बार नामांकन करने जाते रहे हैं। इस बार उन यादों के साथ गंगा स्नान करेंगे और उनका आशीर्वाद लेकर पर्चा दाखिल करने जाएंगे।

हाल ही में एक टीवी चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा भी कि 'पहली बार से अब तक

जितने भी नामांकन किए, मां के पैर छूकर जाता रहा। यह मेरी जिंदगी का पहला चुनाव है जब मैं मां का पैर छुए बिना जाऊंगा। लेकिन मन में भाव भी आता है कि 140 करोड़ के देश की करोड़ो माताएं हैं, उन्होंने जिस प्रकार से मुझे प्यार दिया है, आशीर्वाद दिया है, उनका स्मरण कर के जाऊंगा और फिर मां गंगा तो हैं ही।

पहली बार काशी से नामांकन पर क्या बोले थे पीएम मोदी

मोदी 2014 में काशी से पहली बार नामांकन करने आए तो मीडिया से बातचीत में उनके मन के भाव शब्द थे–'न मुझे किसी ने भेजा है, न मैं यहां आया हूं, यह तो मां गंगा ने बुलाया है। एक बालक जैसे मां की गोद में आता है वैसी मैं अनुभूति कर रहा हूं।' अप्रैल 2019 में दूसरी बार नामांकन करने वाराणसी आए तो गंगा तट पहुंचे और अपने भाव, संकल्प व सरोकार को लेकर दृढ़ता जताई। काशी के प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री की पारी की शुरुआत मैंने मां गंगा और बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से की थी। तब गंगा तट पर संकल्प लेते वक्त मन में था कि काशी की उम्मीदों पर खरा उतर भी पाऊंगा या नहीं।

काशी और देश को लेकर देखे गए सपनों को पूरा कर लिया, यह दावा भले ही न कर पाऊं, लेकिन यह जरूर है कि उसकी दिशा और रफ्तार दुरुस्त है।'हाल ही में उन्होंने मीडिया से बातचीत में 2014 के संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि आज 10 साल बाद भावुकता से कह सकता हूं कि 'मां गंगा ने मुझे गोद लिया है'। दस साल बीत गए हैं काशी से इतना नाता जुड़ गया है कि अब काशी के लिए मेरी काशी ही शब्द आता है। मां–बेटे जैसा रिश्ता है काशी के साथ।

तीन नक्षत्रों के योग में करेंगे नामांकन

अब तीसरी बार मोदी 14 मई को वैशाख शुक्ल सप्तमी तिथि में नामांकन करेंगे। शास्त्रीय मान्यता है कि इस तिथि में ही स्वर्गलोक में मां गंगा की उत्पत्ति हुई और वे भगवान शिव की जटाओं में आईं। तिथि विशेष पर नक्षत्रराज पुष्य, सर्वार्थ सिद्धि योग व रवि योग का अद्भुत संयोग भी है।

हाईवे पर हाथ में असलहा ले लाडली ने किया डांस

लखनऊ सोशल मीडिया पर शनिवार को फिर एक लाडली वेटी का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में लाडली वेटी ने फूलन देवी की तरह हाथ में असलहा लेकर डांस कर रील वनाई। फिर उसे इस्टाग्राम पर वायरल कर दिया। लाडली पारा क्षेत्र की रहने वाली सिमरन यादव है। हालांकि पारा पुलिस का दावा है कि लाडली वेटी अव उनके क्षेत्र में नहीं रहती है।

सोशल मीडिया पर कई वार फेमस होने के चक्कर में लोग कुछ भी कर जाते है। यहां तक कि उन्हें कानून का भी ध्यान नहीं रहता है। पारा के नई कांशीराम कालोनी निवासी सिमरन यादव ने कुछ ऐसा ही किया है। सिमरान यादव ने हाथ में असलहा लेहकर भोजपुरी गाने पर डांस कर रहती नजर आ रही है। वीडियो हाईवे की है।

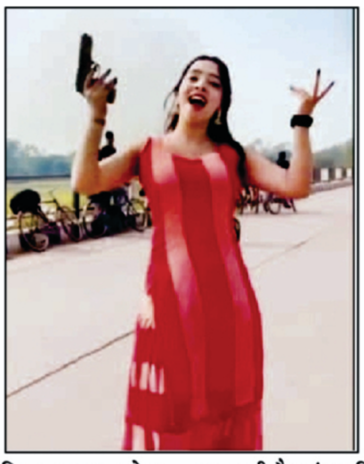

दावा किया गया कि लाडली ने फेमस होने के लिए आगरा-एक्सप्रेस-वे पर वीडियो वनाकर इस्टाग्राम पर वायरल कर दिया। हिन्दी दैनिक 'राष्ट्रीय सहारा' वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के वाद सिमरान यादव की मुसीवत वढ़ गयी है। दरअसल हुआ ये कि वीडियो वायरल होने के वाद यूपी पुलिस भी एक्शन के मोड में आ गई है। एक्स पर यह वीडियो पोस्ट होने पर इंस्पेक्टर पारा को इसकी जांच के निर्देश दिए गए। हालांकि पारा इंस्पेक्नटर वृजेश वर्मा का कहना है कि सिमरन यादव पहले न्यू कांशीराम कालोनी में रहती थी। अव वह वहां नहीं रहती है। उनका कहना है कि वीडियो कव और कहां की है इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस का यह रवैया कोई पहली वार नहीं है। इसके पहले भी वीते 26 अप्रैल को सुशांत गोल्फ सिटी में लाडली वेटी का हाथ में तमंचा लेकर वीडियो वायरल हुई थी। वीडियो में काले और सफेद रंग की वोलेरो खड़ी है, जिसका नंवर भी साफ दिखाई दे रहा था, लेकिन पुलिस आज तक पता नहीं लगा पाई। यही कारण है कि रील वनाने के चक्कर में वेटियां कानून का उलंघन करने में जरा सा भी संकोच नहीं कर रही है।

वीडियो वायरल, सोशल मीडिया पर यूजर्स ने की कार्रवाई की मांग

वीडियो पर लोगों ने दी प्रतिक्रिया : सोशल मीडिया पर एक वकील कल्याण जी चौधरी ने सिमरन यादव का वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है कि इंस्टाग्राम स्टार सिमरन यादव लखनऊ में सरेआम नियम कानून व आचार संहिता की धज्जियां उड़ाते हुए असलहा को लहरा रही है। परंतु अधिकारी चुप्पी साधे हुए है।

साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग, सीएम योगी आदित्यनाथ समेत और अधिकारियों को भी टैग किया है। इस पर यूपी पुलिस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। यूपी पुलिस ने लखनऊ पुलिस को टैग करते हुए मामले को देखने के लिए कहा है। तो वही लखनऊ पुलिस ने भी जवाव में लिखा है कि संवधिंत को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है। वहीं, वीडियो वायरल होने के वाद कई यूजर ने भी कमेंट किया है। ज्यादातर यूजर्स का मानना है कि ऐसा करना गलत है। कई यूजर्स सिमरन यादव पर कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग कर रहे है।

होटल मैनेजर के घर से 20 लाख के जेवर चोरी

चिनहट में दो मकानों व कृष्णानगर में गोदाम में हुई चोरियां

लखनऊ चिनहट में चोरों ने होटल रनवीर के कारपोरेट मैनेजर 20 लाख रुपए कीमत के जेवर चोरी कर ले गए। आरोप है कि तहरीर देने के चार दिन वाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, इसी थाना क्षेत्र में दूसरे मोहल्ले में एक मकान और कृष्णानगर में स्वस्तिक ग्रेनाइट्स एंड प्लाईवुड गोदाम से हजारों का सामान चोरी कर ले गए। मूलरूप से वस्ती निवासी अश्वनी सिंह परिवार के साथ चिनहट के मटियारी में रहते है। वह विराजखंड स्थित रनवीर कार्पोरेट मैनेजर है। पीड़ित के मुताविक वीते सात मई को वह ड्यूटी गए थे। उनकी पत्नी वच्चों को स्कूल लेने के लिए गयी थी। दोपहर 12 वजे वह घर पहुंची तो मेन गेट का ताला टूटा मिला। चोरों ने कमरे की अलमारी में रखे करीव 20 लाख रुपये कीमत के जेवर चोरी कर ले गए। आरोप है कि उन्होंने पुलिस को तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने चार दिन वाद चिनहट मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, चोरों ने इसी थाना क्षेत्र के दयाल फार्म के पास रहने वाले आकाश सिंह के वंद मकान का ताला तोड़कर लाखों का सामान पार कर दिया। उधर कृष्णानगर के जाफर खेड़ा में पीके जैन की स्वास्तिक ग्रेनाइट्स एंड प्लाइवुड की दुकान का गोदाम है। पीके जैन के मुताविक शुक्रवार रात चोरों ने गोदाम से 15 हजार का हार्डवियर का सामान चोरी कर लिया। इंस्पेक्टर कृष्णानगर के मुताविक चोर को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपित की पहचान राजाजीपुरम के जलालपुर निवासी वलराम उर्फ वल्ले के रूप में हुई।

ठेकेदार ने मारपीट व लूट का लगाया आरोप

लखनऊ पीजीआई के एकता नगर में दवंगों ने वाइक सवार ठेकेदार की पिटाई कर सात हजार रुपये लूट लिए। मारपीट की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। कल्ली पश्चिम निवासी मुन्ना गौतम मकान वनाने का ठेका लेते है। आरोप है कि एकता नगर में उनका काम चल रहा है। शनिवार शाम को काम खत्म होने के वाद वाइक से घर लौट रहे थे। कुछ दूर आगे वढ़े ही थे कि तभी वहां अपने साथियों के साथ मौजूद लल्लन और अव्दुल्ला ने उन्हें रोक लिया। गाड़ी रोकते ही आरोपित उनकी पिटाई करने लगे। विरोध पर आरोपितों ने ईट मारकर वाइक तोड़ दी और जेव में रखे सात हजार रुपये भी छीन कर भाग गए। इंस्पेक्टर का कहना है कि दोनो एक दूसरे के परिचित है। जांच में मारपीट की वात सामने आई है।

40 लीटर कच्ची शराब के साथ 4 गिरफ्तार

जैदपुर-बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये गये अभियान के अंतर्गत जैदपुर पुलिस टीम ने अलग-अलग जगहों से चार अभियुक्तों को मुखविर की सूचना पर गिरफ्तार कर चालिस लीटर अवैध कच्ची शराव वरावद कर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही की है। जिसमें आज अलग-अलग जगहों से जैदपुर पुलिस द्वारा चार लोगों धरदवोचा जिनकी तलाशी लेने पर कुल 40 लीटर अवैध कच्ची शराव वरामद की गयी।

युवती ने लगाई नहर में छलांग, तलाश जारी

फतेहपुर-बाराबंकी। फोन पर वीडियो कालिंग कर वात करते हुए एक युवती के नहर में छलांग लगा दी। सूचना पर पुलिस आनन-फानन मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। इसके वाद पुलिस ने गोताखोरों को वुलाकर युवती की तलाश शुरू करा दी है। लेकिन शाम तक युवती का पता नहीं लग सका। वड्डूपुर थाना क्षेत्र के काजी वेहटा गांव के वाहर शारदा सहायक नहर निकली हुई हैं। रविवार दोपहर एक युवती ने अचानक नहर में छलांग लगा दी। वह छलांग लगाने से पहले युवती नहर के पुल पर किसी से फोन पर वात कर रही थी। वात करने के वाद युवती नहर में कूद गई।

पोस्टर लगाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, दो घायल

जैदपुर-बाराबंकी। पोस्टर को लगाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े जमकर हुई मारपीट में दो लोगों हुये गम्भीर रूप से घायल। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार हेतु भेज दो लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गयी है। मामला जैदपुर कस्वे के मोहल्ला संगत के पास छोटी वाजार वाजार का है।

42 किलो पोस्ता छिलका के साथ एक गिरफ्तार

बाराबंकी। मादक पदार्थ वेचने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में रविवार को सतरिख थानाध्यक्ष अमर कुमार चौरसिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम खाले का पुरवा निवासी दीप चन्द्र वर्मा को अडंगपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार कर 42 किलो 40 ग्राम पोस्ता का छिलका वरामद किया।

नौकर समेत 3 चोर गिरफ्तार

बुजुर्ग महिला को डायजापाम की गोली खिलाकर बेसुध कर देते थे आरोपित

इत्र कारोबारी के घर चोरी का मामला

लखनऊ सआदतगंज में इत्र कारोवारी के घर में काम करने वाला नौकर वुजुर्ग को डायजापाम की गोली खिला देता था। वेसुध होने पर अलमारी में रखे जेवर और नगदी चोरी कर लेते थे। वुजुर्ग के वेटे ने यह आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया था। रविवार को सहादतगंज पुलिस ने नौकर समेत तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी पश्चिमी दुर्गेश कुमार ने वताया कि सआदतगंज के मंसूरनगर निवासी इत्र कारोवारी सैफ समदी ने मुकदमा दर्ज कराया था कि वीते छह वर्ष से सीतापुर के अटरिया निवासी मो. सुहैल उनके घर पर काम करता था। वह उनकी वुजुर्ग मां की देख रेख करता था। मां को दवा के साथ डायजापाम की गोली खिला देता था, जिससे वह अक्सर नींद में रहती थी। इस वीच वह अलमारी में रखे जेवर, रुपये अन्य कीमती सामान चोरी कर लेता थे। घर से अक्सर सामान चोरी होने पर जांच की, तो यह वात सामने आई थी। मां की दवाओं के वीच में डायजापाम की गोली भी मिली थी। सख्ती से पूछताछ में सुहैल ने चोरी कर अपने पिता मो. शरीफ और उनके साथी अटरिया के शकील को देने की वात वताई। पुलिस में शिकात न करने की वात पर व दो दिन के भीतर जेवर लाने की वात कहकर गया था। इसके वाद उसका कुछ पता नही चल रहा। इंस्पेक्टर सआदतगंत के मुताविक तीनों आरोपितों को रविवार कैम्पवेल रोड स्थित खिन्नी चौराहे से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपितों के कव्जे से करीव 15 लाख रुपये कीमत के जेवर और 50 हजार की नकदी वरामद की है।

लाखों रुपए गबन करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ (एसएनबी)। महानगर में शोरूम से लाखों रुपए का गवन करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। कंपनी निदेशक ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

महानगर निवासी मयूर अग्रवाल की वैल्यू प्लस रिटेल नाम से कंपनी है। मंदिर मार्ग पर उनकी कंपनी का शोरूम है। अकाउंटेंट ने स्टाक की जांच की तो 41.22 लाख का सामान चोरी होने की वात का पता चला। छानवीन में पता चला कि शोरूम के स्टोर मैनेजर मानक नगर के गढ़ी कनौरा निवासी सैफ अली ने यह सामान चोरी कर दूसरी जगह वेच दिया है।

जव उनसे इस संवंध में मयूर अग्रवाल ने वात की, तो वह माफी मांगते हुये रुपये वापस करने की वात कही, लेकिन निर्धारित समय सीमा में वह रुपये नहीं लौटाये। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर उचित कार्रवाई की मांग की। इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्र ने इस मामले में पहले ही आरोपित सैफ अली को गिरफ्तार किया था। रविवार को पुलिस टीम ने दूसरे आरोपित अनिल कुमार पुत्र गिरवर सिंह निवासी न्यू वलदेव खेड़ा तेलीवाग पीजीआई को गिरफफ्तार किया हैं।

'तीन डीएम–एसपी को सीएम कार्यालय से निर्देश, कन्नौज में बूथ तक न पहुंचे सपाई' अखिलेश यादव ने लगाए गंभीर आरोप

संवाददाता, कन्नौज। कन्नौज लोकसभा प्रत्याशी व सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मतदान से पूर्व शासन–प्रशासन पर गंभीर आरोप लगा दिए। उन्होंने कहा कि लखनऊ से मुख्यमंत्री कार्यालय से तीन डीएम और एसपी को फोन कर समाजवादियों को वोट न डालने के निर्देश दिए गए हैं। अगर ऐसा होता है, तो समाजवादी धरने पर बैठ जाएंगे। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि लखनऊ से मुख्यमंत्री कार्यालय से तीन डीएम और तीन एसपी को फोन कर समाजवादियों को वोट न डालने के निर्देश दिए है। अधिकारियों से कहा कि गया है कि समाजवादी बूथ तक पहुंचे। वह चुनाव आयोग से अपील करते हैं कि वह नजर रखें और सभी का मतदान कराएं।

समाजवादियों को अगर वोट डालने से रोका जाए, तो वहीं धरने पर बैठ जाए और वोट डालने के लिए कोई भी रास्ता अपनाएं। समाजवादी कभी डरने वाले नहीं हैं।

'स्टैंड अप' में मेरा किरदार माया बहुत रहस्यमय : जैन खान

मुंबई। वालीवुड अभिनेता अमिर खान की भतीजी जैन खान 'स्टैड अप' के साथ अपने सफर को याद करते हुए कहती हैं, 'मैं वास्तव में वहुत भाग्यशाली हूँ, कि आकर्ष खुराना ने मुझे लेयर्ड और दिलचस्प किरदार दिया है। मेरा किरदार माया वहुत रहस्यमय है, और शुरुआत में उसकी अस्पष्टता ने मुझे असल में डरा दिया था। मै जीवन को व्लैक एंड व्हाइट में देखती थी लेकिन इस किरदार ने मुझे ग्रे शेड्स देखने और मानवीय चरित्र की जटिलता की सराहना करना सिखाया, यह एक कलाकार और एक व्यक्ति के रूप में मेरे लिए वहुत वड़ी सीख थी।

'स्टैंड अप' एक लोकप्रिय ज़ी थिएटर टेलीप्ले वनने से पहले, ज़ैन ने इसे मुंवई में लाइव भी प्रदर्शित किया और वताया कि, 'यह मुंवई में मेरा पहला प्रोफेशनल प्ले था। 'स्टैंड अप' में अवीर अवरार, आधार खुराना, ओंकार कुलकर्णी, सारंग सथाये, चैतन्य शर्मा, कशिन शेट्टी और निपुण धर्माधिकारी भी है। 16 मई को एयरटेल स्पॉटलाइट, डिश टीवी रंगमंच एक्टिव और डी2एच रंगमंच एक्टिव पर स्टैड अप देखें!

मुंबई में शुरू हो रही एक नई लव स्टोरी, नव्या को छोड़ मृणाल संग वक्त बिताते दिखे सिद्धांत

एंटरटेनमेंट डेस्क। सिनेमा की दुनिया में 'चट डेटिंग और पट ब्रेकअप' जैसे किस्से आए दिन देखे जाते हैं। फिर, किसी नई प्रेम कहानी का जन्म होता है। खबरें वायरल होती हैं। इन दिनों इंडस्ट्री में ऐसे ही दो सितारों की प्रेम कहानी की खबरें सामने आ रही हैं। ये स्टार्स हैं– मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी। यह लव स्टोरी ऐसे समय शुरू हुई है, जब दोनों सितारों के साथ में फिल्म करने की चर्चा है। खैर, हाल ही में सिद्धांत और मृणाल को डिनर डेट पर साथ देखा गया। इस दौरान, दोनों एक–दूसरे से गले मिलते और हाथ थामे नजर आए।

सिद्धांत चतुर्वेदी का नाम इससे पहले अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा से जुड़ चुका है। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गाय। अब दोनों के बीच दूरियों की खबर आ रही हैं। वहीं, दावा किया जा रहा है कि सिद्धांत की नजदीकियां मृणाल के साथ बढ़ गई हैं। बीती रात दोनों को साथ देखा गया। इसके बाद दोनों के रिलेशनशिप के कयास लगने शुरू हो गए हैं। सामने आई तस्वीरों और वीडियो में दोनों को एक–दूजे को गले लगाए देखा जा सकता है।

सिद्धांत चतुर्वेदी काफी लंबे वक्त से अपनी फिल्म 'युध्रा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म अभी तक न तो रिलीज हुई है, न इसकी रिलीज तारीख का पता है। रवि उद्यवार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में मालविका मोहनन भी लीड रोल में हैं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले यह फिल्म प्रोड्यूस हो रही है। फिल्म का एलान 2021 में किया गया था और इसे वर्ष 2022 में रिलीज करने की तैयारी थी। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका।

मृणाल ठाकुर की बीती रिलीज फिल्म 'फैमिली स्टार' कमाल नहीं दिखा सकी। मृणाल और विजय देवरकोंडा अभिनीत यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। सिद्धांत चतुर्वेदी को जहां करियर की थम चुकी गाड़ी को आगे बढ़ाने की दरकार है। वहीं, मृणाल की नजर भी अपनी अगली फिल्म पर है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों सितारों की अगली फिल्म साथ में है। सिद्धांत और मृणाल ठाकुर संजय लीला भंसाली की फिल्म में नजर आने वाले हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म का आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। इस फिल्म का निर्देशन भी सिद्धांत की 'युध्रा' के निर्देशक रवि उद्यवार ही करेंगे। देखना दिलचस्प होगा कि भंसाली की फिल्म में दोनों क्या कमाल करते हैं। सिद्धांत के पास इसके अलावा नेटफ्लिक्स की फिल्म 'खो गए हम कहां' है। इसमें वह अनन्या पांडे के साथ नजर आएंगे।

अगर मैं एक्ट्रेस नहीं होती तो...

ईशा गुप्ता ने बॉलीवुड की बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। हालांकि फिलहाल वह फिल्मी दुनिया से दूर हैं और सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई चीजें शेयर की हैं। उन्होंने बताया है कि वह जल्द ही शादी कर सकती हैं और उन्होंने बच्चों को लेकर भी बात की है।

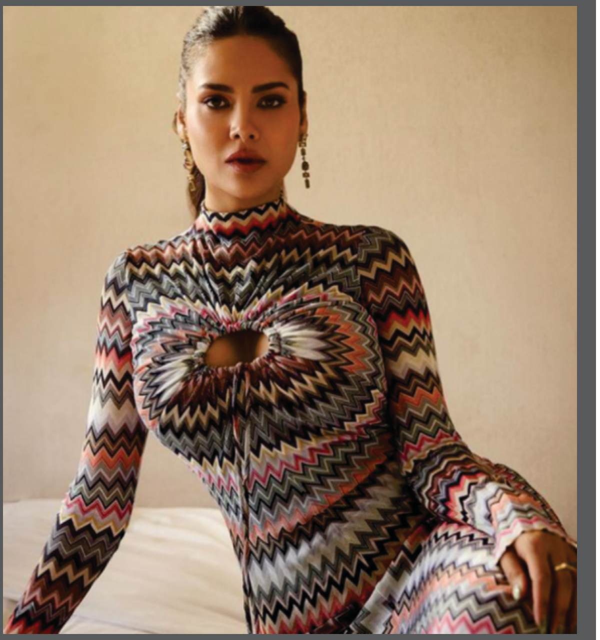

एंटरटेनमेंट डेस्क, । 'राज 3', 'जन्नत 2', 'रुस्तम' समेत कई फिल्में और आश्रम जैसी वेब सीरीज करके अपनी एक अलग पहचान बना चुकी एक्ट्रेस ईशा गुप्ता इन दिनों फिल्मी दुनिया से दूर रहकर अपनी पर्सनल लाइफ को एन्जॉय कर रही हैं। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी निजी लाइफ को लेकर कई खुलासे किए हैं। इसमें उन्होंने अपनी शादी, बच्चों और परिवार के बारे में खुलकर बात की है। ईशा गुप्ता ने इस इंटरव्यू में कहा है कि वह फिल्म को साइन करने के लिए किसी दौड़ का हिस्सा नहीं बनना चाहती, लेकिन वह आध्यात्मिक रूप से सुलझी हुई और तनाव मुक्त हैं।

जल्द शादी कर सकती हैं ईशा

ईशा गुप्ता ने हाल ही में ईटाइम्स के साथ खास बातचीत में में बताया कि उन्हें फिलहाल लाइफ में कोई टेंशन नहीं हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके ब्वॉयफ्रेंड मैनुएल कैम्पोस गुलार ने उनकी स्पेन में एक रेस्टोरेंट खोलने में मदद की थी। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने मेरी लाइफ को सिक्योर करने में मेरी मदद की है। मैं अक्सर मजाक करती हूं कि अब तुम मुझे छोड़ भी नहीं सकते। तुम्हें मुझसे शादी करनी होगी। वहीं, एक्ट्रेस ने अपनी शादी की योजना के बारे में बात करते हुए कहा कि यह जल्द ही हो सकती है।

बच्चों को लेकर बोलीं ईशा

ईशा गुप्ता ने बताया कि अभी वह अपनी सेहत पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। मैं शादी करूंगी और फिर फ्यूचर में मेरे बच्चे भी होंगे। मैं उस पर फोकस कर रही हूं। ईश्वर की कृपा से पिछले दो सालों में काम के नजरिये से उनकी लाइफ में बड़ा परिवर्तन आया है। मैंने हमेशा बच्चे पैदा करने का सपना देखा है। अगर मैं एक्ट्रेस नहीं होती, तो अभी तक में तीन बच्चों की मां होती। बता दें कि ईशा ने साल 2017 में ही अपने एग्स फ्रीज कर लिए थे। इस बात की जानकारी उनके ब्वॉयफ्रेंड मैनुएल को भी है।

हीरो को ज्यादा फीस मिलने पर भड़की

10 साल में एक हिट नहीं, फिर भी दस गुना ज्यादा सैलरी'

हीरो को ज्यादा फीस मिलने पर कृति सेनन ने उठाया सवाल

कृति सेनन ने फ्लहृप हीरो को लेकर कसा तंज

कृति ने बताया क्रू पर कोई प्रोड्यूसर्स नहीं लगाना चाहता था पैसा

एंटरटेनमेंट डेस्क, । हिंदी सिनेमा में हमेशा से हीरो को ज्यादा तवज्जो दी गई है, चाहे बात स्क्रीन स्पेस की हो या फिर फीस की। भले ही आज हीरोइनों की अहमियत में इजाफा हुआ है, लेकिन सैलरी में नहीं। आज भी कई अभिनेत्रियां हीरो के मुकाबले फीस न मिलने पर नाराजगी जाहिर करती हैं। हाल ही में, कृति सेनन ने भी सवाल उठाया है।

साल 2024 में कृति सेनन ने दो हिट फिल्में दीं। शाहिद कपूर के साथ 'तेरी बातों में उलझा जिया' ने पहले अच्छा कारोबार किया और फिर वुमन ओरिएंटेड फिल्म 'क्रू' भी थिएटर्स में खूब चली। अब कृति ने एक हालिया इंटरव्यू में सवाल उठाया है कि आखिर क्यों अभिनेताओं को उनसे 10 गुना ज्यादा फीस मिलती है।

फिल्म कम्पैनियन के साथ बातचीत में कृति सेनन ने कहा, "आज बिना कोई कारण पेमेंट में अंतर (हीरो और हीरोइन के बीच) बहुत बड़ा है। कभी–कभी बिना कोई कारण, कभी कभी आपको लगता है कि ऐसा नहीं है कि उस शख्स ने 10 साल में कोई एक हिट दी है, फिर भी उसे (एक्टर) 10 गुना ज्यादा फीस मिल रही है।"

प्रोड्यूसर्स देते हैं ऐसी सफाई

कृति सेनन ने बताया कि फीस में अंतर को लेकर सवाल उठाने पर प्रोड्यूसर्स किस तरह इसे जस्टिफाई करते हैं। 'आदिपुरुष' एक्ट्रेस ने कहा, "कई बार प्रोड्यूसर्स कहते हैं कि यह रिकवरी है। रिकवरी डिजिटल और सैटेलाइट के जरिए होती है, जो किसी फिल्म के रिलीज होने से पहले हो जाती है।" उन्होंने आगे कहा, "इससे पहले कि कोई गड़बड़ हो, डिजिटल और सैटेलाइट से बजट निकल जाता है क्योंकि डिजिटल और सैटेलाइट पर लड़की पर आधारित फिल्मों से मेल–सेंट्रिक फिल्में बहुत ज्यादा अच्छा परफॉर्म करती हैं। मुझे लगता है कि यही अंतर है।"

क्रू पर निर्माता नहीं लगाना चाहते थे पैसा

कृति सेनन ने यह भी दावा किया है कि प्रोड्यूसर्स 'क्रू' में ज्यादा बजट लगाना नहीं चाहते हैं, जबकि उसमें तीन ए–लिस्टर्स एक्ट्रेसेज करीना कपूर खान, तब्बू और वह थीं, जबकि वे तीन मेल एक्टर्स की कॉमेडी फिल्म में उतना बजट लगाएंगे। कृति का कहना है कि रिया कपूर और एकता कपूर की फिल्म 'वीरे दी वेडिंग' की रिलीज के 6 साल बाद भी यह सोच नहीं बदल पाई है। 2018 में 'वीरे द वेडिंग' में कई अभिनेत्रियों ने अपनी फीस में कटौती की थी। कृति आगामी फिल्म 'दो पत्ती' में काजोल (झंरवस) के साथ नजर आएंगी। वह इस फिल्म को को–प्रोड्यूस भी कर रही हैं।

गौतम गंभीर को अभी भी है एक मलाल

अपनी सबसे बड़ी गलती के बारे में किया खुलासा

गौतम गंभीर को अभी भी है इस बात का मलाल। गंभीर ने कोलकाता को पहुंचाया प्लेऑफ में। कोलकाता आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बनी।

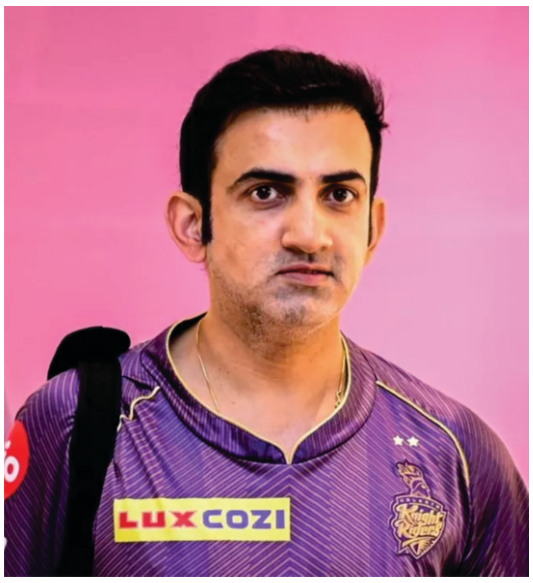

गंभीर के कप्तान रहते कोलकाता ने साल 2012 और 2014 में आईपीएल का खिताब जीता था। 2014 में इस टीम ने सूर्यकुमार यादव को खरीदा था जो 2017 तक टीम के साथ रहे। गंभीर ने भी 2017 में कोलकाता का साथ छोड़ दिया था। गंभीर ने अब कहा है कि वह और टीम मैनेजमेंट सूर्यकुमार के टैलेंट को सही तरह से इस्तेमाल नहीं कर सके।

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। गौतम गंभीर की इस साल कोलकाता नाइट राइडर्स में वापसी हुई है। अपनी कप्तानी में गंभीर ने इस टीम को दो बार चैंपियन बनाया था। इस साल वह टीम के मेंटॉर है। उनके आने के बाद टीम ने दमदार खेल दिखाया है और आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बनी है। कोलकाता को प्लेऑफ में पहुंचाने के बाद गंभीर ने अपनी सबसे बड़ी गलती का खुलासा किया है।

गंभीर के कप्तान रहते कोलकाता ने साल 2012 और 2014 में आईपीएल का खिताब जीता था। 2014 में इस टीम ने सूर्यकुमार यादव को खरीदा था जो 2017 तक टीम के साथ रहे। गंभीर ने भी 2017 में कोलकाता का साथ छोड़ दिया था। गंभीर ने अब कहा है कि वह और टीम मैनेजमेंट सूर्यकुमार के टैलेंट को सही तरह से इस्तेमाल नहीं कर सके।

गंभीर ने कही ये बात

स्पोर्ट्सकीड़ा से बात करते हुए गंभीर ने कहा कि सूर्यकुमार के टैलेंट को सही तरह से इस्तेमाल न कर पाने का मलाल उन्हें हमेशा रहेगा। गंभीर ने कहा, "लीडर का काम होता है कि वह बेस्ट टैलेंट को पहचाने और उसे दुनिया को बताए। कोलकाता की कप्तानी सात साल करने के बाद अगर मुझे किसी बात का पछतावा है तो वो ये है कि मैं और हमारी टीम सूर्यकुमार के टैलेंट का इस्तेमाल सही तरह से नहीं कर पाई।" गंभीर ने कहा कि इसका कारण टीम कॉम्बीनेशन था। उन्होंने कहा, "आप नंबर–3 पर सिर्फ एक ही खिलाड़ी को खिला सकते हैं। और एक लीडर के तौर पर आपको प्लेइंग–11 में बाकी खिलाड़ियों के बारे में भी सोचना होता है। वह नंबर–3 पर ज्यादा प्रभावी होते, लेकिन नंबर–7 पर भी वह उतने ही अच्छे थे।"

हमेशा रहते हैं तैयार

गंभीर ने कहा कि सूर्यकुमार को नंबर से फर्क नहीं पड़ता क्योंकि आप उन्हें किसी भी नंबर पर खिला लीजिए, वह हमेशा तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा, "आप चाहें नंबर 6 पर उन्हें खिलाएं या सात पर, या फिर उन्हें बेंच पर बैठाएं। वह हमेशा खुश रहते हैं और हंसते रहते हैं और हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने को तैयार रहते हैं। इसलिए हमने उन्हें उप–कप्तान बनाया था।" 2014 में सूर्यकुमार ने कोलकाता के लिए डेब्यू किया और 2017 तक खेले। लेकिन इसके बाद वह मुंबई आ गए और टीम का अहम हिस्सा बन गए। इस समय वह टी20 के नंबर–1 बल्लेबाज हैं और इसी सीजन भी दमदार फॉर्म में चल रहे हैं।

'इसका अलग चल रहा है'

ड्रेसिंग रूम में विराट कोहली ने लिए सिराज के मजे, सामने आया मजेदार वीडियो

स्पोर्ट्स डेस्क। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से हरा दिया है। यह आरसीबी की लगातार पांचवीं जीत रही। टीम अभी भी प्लेऑफ की रेस में बरकरार है। उसके 13 मैचों के बाद छह जीत और सात हार के साथ 12 अंक हैं। दिल्ली पर जीत के साथ टीम पांचवें स्थान पर पहुंच गई है।

आईपीएल 2024 के 62वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से हराकर अंक तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। अब टीम के खाते में 12 अंक हो गए हैं और प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी उम्मीदें बढ़ गई हैं। इस मैच के बाद विराट कोहली को मोहम्मद सिराज के साथ ड्रेसिंग रूम में मस्ती करते देखा गया। इसका वीडियो अब आरसीबी ने अपने ऑफिशियल पेज से साझा किया है।

दिल्ली के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में तेज गेंदबाज ने एक विकेट हासिल किया। उन्होंने कुमार कुशाग्र को आउट किया। वहीं, किंग कोहली 27 रन बनाने में कामयाब हुए। उन्होंने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से एक चौका और तीन छक्के लगाए। आरसीबी ने दिल्ली को हरा दिया। यह बेंगलुरु की इस सीजन की लगातार पांचवीं जीत है।

कोहली–कर्ण ने लिए सिराज के मजे

मैच के बाद किंग कोहली और कर्ण शर्मा को मोहम्मद सिराज से मजे लेते देखा गया। सिराज कहते हैं, "क्या शानदार कमबैक है। हम लोग यही सोच रहे थे कि एक मैच पर फोकस करना है, हम लोग क्वॉलिफाई हो गए हैं, नहीं हो गए हैं, हमारे बस में नहीं है। हमारे बस में क्या है.... फास्ट बॉलर के पास बॉल है, बैट्समैन के पास बैट है... बस जाना है अटैक करना है। अगर क्वॉलिफाई हुए, तो बहुत अच्छा... बस जैसे क्रिकेट हम लोग खेल रहे हैं, उसको आगे जारी रखेंगे। वैसी ही सोच रखेंगे और मजा भी आ रहा है।" इस पर कर्ण शर्मा कहते हैं, "उनके पास बैट है? और हमारे पास बॉल है? और उसके बाद...।" सिराज कहते हैं, "उसके बाद सामने स्टंप है।" कर्ण ने कहा, "उधर भी तो है, बैट, बॉल और स्टंप...।" सिराज बोले, "हां... तो...।" इस बातचीत में फिर विराट कोहली भी कूद पड़े और बोले, " क्या बोल रहा है, बैट्समैन के पास बैट है, बॉलर के पास बॉल है, कहता है।" सिराज ने कहा, "तो माइंडसेट वही है, ना विकेट लेने का भइया।" विराट ने कहा, "इसकी अलग क्रिकेट चल रही है... बोल मुझे बस स्टंप दिख रहा है, बस।"

मैच का हाल

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से हरा दिया है। यह आरसीबी की लगातार पांचवीं जीत रही। टीम अभी भी प्लेऑफ की रेस में बरकरार है। उसके 13 मैचों के बाद छह जीत और सात हार के साथ 12 अंक हैं। दिल्ली पर जीत के साथ टीम पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। बेंगलुरु को आखिरी मैच 18 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चिन्नास्वामी में ही खेलना है। इस मैच पर दोनों ही टीमों की किस्मत निर्भर होगी। चेन्नई की जीत पर आरसीबी प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। वहीं, अगर बेंगलुरु जीतती है तो उसे अच्छें अंतर से जीत हासिल करनी होगी, ताकि नेट रन रेट चेन्नई से बेहतर हो सके। इसके बाद भी बेंगलुरु को अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

रोमांचक मोड़ पर पहुंची प्लेऑफ की जंग

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
कोलकाता नाइट राइडर्स	12	09	03	18	+1.428
राजस्थान रॉयल्स	12	08	04	16	+0.349
चेन्नई सुपर किंग्स	13	07	06	14	+0.528
सनराइजर्स हैदराबाद	12	07	05	14	+0.406
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	13	06	07	12	+0.387
दिल्ली कैपिटल्स	13	06	07	12	-0.482
लखनऊ सुपर जाएंट्स	12	06	06	12	-0.769
गुजरात टाइटंस	12	05	07	10	-1.063
मुंबई इंडियंस	13	04	09	08	-0.271
पंजाब किंग्स	12	04	08	08	-0.423

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिन:– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

धोनी ले रहे संन्यास?

चेपॉक में लैप ऑफ ऑनर लेते धोनी